शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 153 पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | गुरूवार 27 जून 2024 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

संसद में आपातकाल पर पेश किया प्रस्ताव

बिरला ने देश पर थोपे गए आपातकाल की निंदा की, विपक्ष ने जमकर हंगामा किया

नई दिल्ली

भाजपा सांसद और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार ओम बिरला लोकसभा के अध्यक्ष चुने गए। कुर्सी संभालते ही बिरला ने 18वीं लोकसभा के पहले सत्र को संबोधित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और सदन के सभी सदस्यों धन्यवाद किया। साथ ही आपातकाल की निंदा की। इस दौरान विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी और सदन के सभी सदस्यों को मुझे फिर से सदन के अध्यक्ष के रूप में दायित्व निर्वाहन करने का अवसर देने के लिए सबका आभार व्यक्त करता हूं। मुझ पर भरोसा दिखाने के लिए भी मैं सभी का आभारी हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह 18वीं लोकसभा लोकतंत्र का विश्व का सबसे बड़ा उत्सव है। अन्य चुनौतियों के बावजूद 64 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने पूरे उत्साह के साथ चुनाव में भाग लिया। मैं सदन की ओर से उनका और देश की जनता का आभार व्यक्त करता हूं। निष्पक्ष, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चुनाव प्रक्रिया संचालित करने के लिए और दूर-दराज के क्षेत्रों में भी एक भी वोट पड़े, यह सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा किए गए प्रयासों के लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं।'

तीसरी बार एनडीए सरकार बनी

ओम बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार बनी है। पिछले एक दशक में लोगों की अपेक्षाएं, आशाएं और आकांक्षाएं बढ़ी हैं। इसलिए, यह हमारा दायित्व बनता है कि उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को प्रभावी तरीके से पूरा करने के लिए हम सामूहिक प्रयास करें।

आपातकाल लगाने के निर्णय की निंदा की

लोकसभा में आपातकाल पर पेश किए गए प्रस्ताव पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, 'ये सदन 1975 में देश में आपातकाल (इमरजेंसी) लगाने के निर्णय की कड़े शब्दों में निंदा करता है। इसके साथ ही हम, उन सभी लोगों की संकल्पशक्ति की सराहना करते हैं, जिन्होंने आपातकाल का पुरजोर विरोध किया, अभूतपूर्व संघर्ष किया और भारत के लोकतंत्र की रक्षा का दायित्व निभाया।'

आपातकाल इतिहास का काला धब्बा

इस पर विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। मगर ओम बिरला ने बोलना जारी रखा। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में 25 जून 1975 के उस दिन को हमेशा एक काले अध्याय के रूप में जाना जाएगा। इसी दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगाई और बाबा साहब आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान पर प्रचंड प्रहार किया था।

1975 से 1977 का अपने आप में एक कालखंड: बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, '1975 से 1977 का वो काला कालखंड अपने आप में एक ऐसा कालखंड है, जो हमें संविधान के सिद्धांतों, संघीय ढांचे और न्यायिक स्वतंत्रता के महत्व की याद दिलाता है। ये कालखंड हमें याद दिलाता है कि कैसे उस समय इन सभी पर हमला किया गया और क्यों इनकी रक्षा आवश्यक है।' 18वीं लोकसभा, बाबा साहब आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान को बनाए रखने, इसकी रक्षा करने और इसे संरक्षित रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है।

लोकतंत्र के सिद्धांतों पर आघात किया गया: लोकसभा स्पीकर

ओम बिरला ने कहा कि मीडिया को सच लिखने से रोकने के लिए पार्लियामेंट्री प्रोसिडिंग्स (प्रोटेक्शन ऑफ पब्लिकेशन) रिपील एक्ट, प्रेस काउंसिल (रिपील) एक्ट और प्रिवेन्शन ऑफ पब्लिकेशन ऑफ ऑब्जेक्शनेबल मैटर एक्ट लाए गए। इस काले कालखंड में ही संविधान में 38वां, 39वां, 40वां, 41वां और 42वां संशोधन किया गया।' उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए इन संशोधनों का लक्ष्य था कि सारी शक्तियां एक व्यक्ति के पास आ जाएं, न्यायपालिका पर नियंत्रण हो और संविधान के मूल सिद्धांत खत्म किए जा सकें। ऐसा करके नागरिकों के अधिकारों का दमन किया गया और लोकतंत्र के सिद्धांतों पर आघात किया गया। इतना ही नहीं, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कमिटेड ब्यूरोक्रेसी और कमिटेड ज्यूडिशियरी की भी बात कही, जो कि उनकी लोकतंत्र विरोधी रवैये का एक उदाहरण है।

आपातकाल में नागरिकों से उनकी आजादी छीन ली गई थी: बिरला

लोकसभा स्पीकर ने कहा कि भारत की पहचान पूरी दुनिया में लोकतंत्र की जननी के तौर पर है। भारत में हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों और वाद-संवाद का संवर्धन हुआ, हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा की गई, उन्हें हमेशा प्रोत्साहित किया गया। ऐसे भारत पर श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा तानाशाही थोप दी गई, भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचला गया और अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंट दिया गया।

नागरिकों से उनकी आजादी छीन ली गई

उन्होंने कहा, 'इमरजेंसी के दौरान भारत के नागरिकों के अधिकार नष्ट कर दिए गए, नागरिकों से उनकी आजादी छीन ली गई। ये वो दौर था जब विपक्ष के नेताओं को जेलों में बंद कर दिया गया, पूरे देश को जेलखाना बना दिया गया था। तब की तानाशाही सरकार ने मीडिया पर अनेक पाबंदियां लगा दी थीं और न्यायपालिका की स्वायत्तता पर भी अंकुश लगा दिया था। इमरजेंसी का वो समय हमारे देश के इतिहास में एक अन्याय काल था, एक काला कालखंड था।' लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, 'आपातकाल (इमरजेंसी) लगाने के बाद उस समय की कांग्रेस सरकार ने कई ऐसे निर्णय किए, जिन्होंने हमारे संविधान की भावना को कुचलने का काम किया।

क्रूर और निर्दयी मेंटेनेन्स

ऑफ इंटरनल सेक्योरिटी एक्ट (मीसा) में बदलाव करके कांग्रेस पार्टी द्वारा ये सुनिश्चित किया गया कि हमारी अदालतें मीसा के तहत गिरफ्तार लोगों को न्याय नहीं दे पाएं।

गोल्डी बराड़ और उसके गैंगस्टर साथी पर 10 लाख का इनाम घोषित

नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने घोषित आतंकी सतविंदर सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ और उसके एक गैंगस्टर साथी गुरुप्रीत सिंह उर्फ गोल्डी ढिल्लों पर 10 लाख के इनाम की घोषणा की है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बुधवार को बताया कि गोल्डी बराड़ और उसका गैंगस्टर साथी चण्डीगढ़ में एक व्यापारी से फिरौती और उसके आवास पर गोलीबारी के मामले में वांछित है। जांच एजेंसी का कहना है कि इनमें से किसी एक के बारे में जानकारी देने वाले को 10 लाख का इनाम दिया जाएगा और उनकी पहचान छिपाई जाएगी। एनआईए ने इस संबंध में पता और फोन नम्बर भी जारी किये हैं।

उत्तरी सेना कमांडर ने रियासी जिले का किया दौरा, सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की

जम्मू

त्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एम वी सुचिंद्र कुमार ने जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले का दौरा किया और क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। 16 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल नवीन सचदेवा और जीओसी रोमियो फोर्स के साथ क्षेत्र का उनका दौरा 9 जून को क्षेत्र में तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर हुए आतंकी हमले के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के सात तीर्थयात्रियों सहित नौ लोगों की मौत हो गई और 41 घायल हो गए, जब आतंकवादियों ने पौनी क्षेत्र के त्रयाठ गांव के पास शिव खोडी मंदिर से लौट रहे तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर गोलीबारी की।

प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज

बंगलूरू

कर्नाटक की हासन सीट से पूर्व सांसद रहे प्रज्वल रेवन्ना की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब बंगलूरू की अदालत ने प्रज्वल की जमानत याचिका खारिज कर दी है। बता दें कि प्रज्वल पर कई महिलाओं के यौन शोषण और दुष्कर्म का आरोप है।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बुधवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सपरिवार मुलाकात की। इस दौरान राज्यपाल की दोनों नातिनों ने प्रधानमंत्री को समर्पित कविता भी सुनाई। कविता के बोल, ह्यजिसने अपना जीवन भारत के नाम किया ... हाथ जोड़ मोदी जी को वंदन करें थे।

इंडिया गठबंधन एकजुट: अब संसद में नजर आएगा आपातकाल के मौन का शोर

एनडीए को घेरने के लिए इंडिया ब्लॉक ने की तैयारी

नई दिल्ली

मोदी सरकार 3.0 में ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष चुने लिए गए हैं। अध्यक्ष बनने के बाद ओम बिरला ने सदन में इमरजेंसी की निंदा की। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाकर डॉ. आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान का अपमान किया था। स्पीकर के प्रस्ताव रखते ही पक्ष और विपक्ष के सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। स्पीकर ने इमरजेंसी के दौरान जान गंवाने वालों की याद में दो मिनट का मौन रखने को कहा। सत्ता पक्ष के सांसदों ने मौन रखा। कांग्रेस और विपक्ष के सांसद हंगामा करते रहे, लेकिन अब आने वाले दिनों में संसद में इस मौन का शोर जबरदस्त तरीके सुनाई देगा। इसके लिए विपक्षी गठबंधन ने पूरी तैयारी कर ली है। दरअसल, संसद सत्र के पहले दिन से ही इंडिया गठबंधन बेहद आक्रामक नजर आ रहा ह। इंडिया गठबंधन ने पहले लोकसभा अध्यक्ष पद पर आम सहमति के बदले उपाध्यक्ष पद देने की मांग रख दी। लोकसभा उपाध्यक्ष पद नहीं मिलने की स्थिति में राहुल गांधी ने मंगलवार को पीएम मोदी पर हमला बोला।

हालांकि बुधवार को संसद का अंक गणित इंडिया के पक्ष में नहीं होने के चलते उन्हें अपना फैसला बदलना पड़ा। लेकिन आखिरी मौके पर जैसे ही सरकार संसद में आपात काल का प्रस्ताव लाई, इसके बाद कांग्रेस पार्टी सत्ता पक्ष और स्पीकर पर ज्यादा हमलावर हो गई। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में विपक्ष का शोर ज्यादा गहरा होगा। इससे सत्ता पक्ष को सदन की कार्यवाही को आगे बढ़ाने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा।

संविधान हाथ में लेकर शपथ लेने वालों के इतने पाप हैं कि उन्हें इसे छूने का भी हक नहीं : शिवराज

नई दिल्ली

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को आपातकाल विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि आज संविधान की प्रति हाथ में लेकर शपथ लेने वालों के इतने पाप हैं कि उन्हें संविधान छूने का हक भी नहीं है। कांग्रेस के डीएनए में ही तानाशाही है, वे निरंकुश शासन चाहते हैं। आपातकाल के 49 वर्ष पूरे होने पर प्रज्ञा संस्थान, नरेन्द्र मोदी अध्ययन केंद्र और महामना मालवीय मिशन ने संयुक्त रूप से आज एक परिसंवाद का आयोजन किया। परिसंवाद का विषय था- इमरजेंसी : आजाद भारत का सबसे काला अध्याय। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित इस समारोह के मुख्य वक्ता केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज चौहान थे। समारोह की अध्यक्षता पहले मीसा बंदी रामबहादुर राय ने की। कार्यक्रम में विद्यार्थी परिषद के नेता राजकुमार भाटिया, पूर्व सांसद राजेन्द्र अग्रवाल भी उपस्थित थे। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत प्राचीन काल से वैचारिक स्वतंत्रता वाला राष्ट्र रहा है।

लोकतंत्र यहाँ का मूल चरित्र ही है। आपातकाल के दौर में हुए बर्बर अत्याचार के वर्णन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि कितने ही लोगों के साथ जेल में अमानवीय अत्याचार हुए। इन घटनाओं को याद करें तो हमें पता चलेगा कि वह दौर भारत का सबसे काला अध्याय है। उस काले अध्याय को आज की पीढ़ी को जानना चाहिए। फिर कभी वह दौर लौट कर नहीं आना चाहिए। सूर्यकांत केलकर का स्मरण करते हुए शिवराज चौहान ने कहा कि आपातकाल के खिलाफ संघ ने ही अभियान चलाया और वे भी उसी की देन हैं।

सरकार भारत को नशा मुक्त राष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध: शाह

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग एवं तस्करी निरोध दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं हैं। गृह मंत्री ने एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार भारत को नशा मुक्त राष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा समग्र सरकारी दृष्टिकोण के साथ इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। आइए, हम सब मिलकर देश को मादक पदार्थों के अभिशाप से मुक्त करने के अपने संकल्प को मजबूत करें तथा अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर दुनिया उपहार में दें। उन्होंने कहा है कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ड्रग मुक्त भारत के लिए प्रयासरत है। इस अवसर पर जारी एक संदेश में शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नशा मुक्त भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रयासरत हमारी एजेंसियों के अधिकारियों एवं कर्मियों को मैं बधाई देता हूं तथा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को अखिल भारतीय नशा मुक्त पखवाड़ा के सफल आयोजन के लिए बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के लिए बल्कि समाज और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी एक चुनौती है।

नीट पेपर लीक: खेड़ा जिले के स्कूल तक पहुंची सीबीआई जांच

गोधरा

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक और गड़बड़ी मामले की सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) की जांच आंच खेड़ा जिले तक पहुंच गई है। बुधवार को सीबीआई की टीम खेड़ा जिले के थर्मल स्थित जय जलाराम इंटरनेशनल स्कूल में जांच करने पहुंची। सीबीआई के साथ स्थानीय पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। इस मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपित केंद्र अधीक्षक परषोत्तम शर्मा की जमानत स्थानीय सेशन कोर्ट ने खारिज कर दी है। नीट परीक्षा जय जलाराम स्कूल के गोधरा और थर्मल दोनों केन्द्र पर आयोजित की गई थी। गोधरा पुलिस ने जय जलाराम स्कूल की नीट परीक्षा के सिटी कॉ-ऑर्डिनेटर और स्कूल के प्रिंसिपल परषोत्तम शर्मा को पकड़ा था। परषोत्तम शर्मा के घर पर परीक्षा के एक दिन पूर्व तुषार भट्ट के साथ मीटिंग हुई थी।

कांग्रेस आला कमान ने हरियाणा के नेताओं की डोर खींच दी

विधानसभा चुनाव के लिए टिकट आवंटन का फार्मूला तय

चंडीगढ़

हरियाणा में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को सफलता मिलने के बाद पार्टी आला कमान ने प्रदेश के नेताओं की डोर खींच दी है। आला कमान ने गुटबाजी से बाज आने को कहा है। इस बारे में पार्टी अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रदेश के नेताओ के साथ मंथन किया है।

चुनाव के नतीजों पर पार्टी संतुष्ट है लेकिन अब विधानसभा चुनावों में कोई ढील नहीं छोड़ना चाहती। राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं को मिलकर चलने की हिदायत देते हुए विधानसभा चुनाव पूरी मजबूती के साथ लड़ने को कहा है। राहुल गांधी ने विधानसभा चुनावों के लिए टिकट आवंटन का फामूर्ला भी तय कर दिया है। बैठक में कहा गया कि पार्टी के प्रति वफादार, मजबूत और जिताऊ चेहरों को ही टिकट दिया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि बैठक में हरियाणा के नेताओं द्वारा एक-दूसरे के खिलाफ की जा रही बयानबाजी का मुद्दा भी उठा। खड़गे और राहुल ने पार्टी नेताओं को कहा है कि वे मीडिया में बयानबाजी से पूरा परहेज करे। मीडिया में कोई बात रखने का फैसला एआईसीसी के स्तर पर किया जाएगा। भिवानी-महेंदगढ़ लोकसभा सीट से प्रत्याशी राव दान सिंह ने जब भितरघात की बात करने की कोशिश की तो यह कहते हुए सभी को रोक दिया गया कि लोकसभा चुनावों को लेकर कोई बात नहीं की जाएगी। फिलहाल विधानसभा चुनाव सबसे बड़ा एजेंडा हैं। बैठक में पूर्व सीएम व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस हरियाणा विधानसभा में 55 से 60 सीटों पर जीत के साथ सरकार बनाने की स्थिति में है। लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर हुड्डा ने कहा झ मैंने पहले ही कह दिया था कि राज्य में कांग्रेस 4 से 7 सीटों पर जीत हासिल करेगी। पार्टी ने पांच संसदीय सीटों पर जीत दर्ज की है। हालांकि इस दौरान कुछ नेताओं ने यह भी कहा कि कांग्रेस 7 से 8 सीटें भी जीत सकती थीं। बताते हैं कि बैठक में कुमारी सैलजा ने कहा, 8 से 10 सीटों पर भी जीत सकते थे। बैठक के दौरान हुड्डा ने जब यह बात कही कि यह उनका आखिरी चुनाव है तो इस पर राहुल गांधी ने चुटकी लेते हुए कहा झ कैप्टन अमरेंद्र सिंह भी यही कहा करते थे। इस पर बैठक में ठहाके भी लगे। पार्टी नेताओं की गुटबाजी पर नेतृत्व की ओर से साफ कहा गया कि सभी एकजुट होकर चलें। अगर पार्टी के वरिष्ठ नेता इकट्ठे होकर चुनाव लड़ेंगे तो हरियाणा में पार्टी की सरकार बननी तय है। बैठक में मौजूद नेताओं को कांग्रेस का मजबूत स्तम्भ बताते हुए राहुल ने कहा, आप सभी मिलकर चलेंगे तो किसी तरह की दिक्कत नहीं आएगी।

चार दिन से लापता युवक का सूखे तालाब में मिला शव

अखंड भारत संदेश

उतरांव। उतरांव क्षेत्र के बरेठी ईट भठ्ठे के पास सूखे तालाब में एक युवक की लाश मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। बड़ोखर आसेपुर थाना हडिया निवासी सीपू बिंद पुत्र श्यामलाल जो बरेठी स्थित राजेंद्र सिंह के भट्टे पर मजदूरी करता था। वह बीते रविवार को लापता हो गया था। परिजन उसकी तलाश में थे। बुधवार सुबह बरेठी के पास स्थित सूखे तालाब में उसकी लास मिली तो ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को सूचित किया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव का शिनाख्त किया। वहीं लास देखने में प्रतीत हो रहा था कि दो-तीन दिन पहले से ही उसकी मृत्यु हुई हो। मृतक के पांच भाइयों में तीसरे नंबर पर था। मृतक की दो बेटे व एक बेटी है। वहीं मजदूर की मौत से पत्नी रंजना देवी समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस संबंध में थाना अध्यक्ष पंकज त्रिपाठी का कहना है कि शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। मृतक के भाई ने उत्तराव थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पेड़ के नीचे मिला युवक का छत-विक्षत शव

कौंधियारा। कौंधियारा थाना क्षेत्र के खुझी गांव में एक युवक का शव गांव के बाहर पेड़ के नीचे संदिग्ध हालत में पड़ा हुआ मिला। उसका बाया हाथ ऐसा लगता है कि किसी जानवर ने खा लिया था। जहां शव पाया गया है वह स्थान टोंस नदी के पास में ही है। आज बुधवार की दोपहर ग्रामीणों ने देखा कि गांव के ही एक युवक अतुल पाल पुत्र रामनरेश पाल गांव के बाहर पेड़ के नीचे मृत पड़ा है। इस बात की खबर से गांव हड़कंप मच गया। बताया जाता है मृतक युवक खूझी ग्राम प्रधान आशीष पाल का चचेरा भाई है। मृतक अतुल अविवाहित है लोग बताते हैं कि वह मानसिक रोगी था और इधर-उधर घूमता रहता था इकलौता बेटा था। इसके अलावा इसके 6 बहने थी हालांकि एक हाथ छत विक्षत है। जिसे देखने से लगता है कि किसी जंगली जानवर ने खा लिया है या किसी विस्फोटक से उसका हाथ उड़ गया है। जो भी है यह जांच के बाद पता लगेगा पुलिस मौके पर पहुंच गई है।

काली माता के प्रसिद्ध मंदिर में श्रद्धालुओं के आने जाने में हो रही दिक्कत

प्रयागराज। नारीबारी अंतर्गत आप को बता दें कि यहां कोटिया राजा महाराजाओं के राज्य से ही यह प्राचीन काली माता मंदिर टमस नदी के तट पर स्थापित है जो कि बहुत ही सुन्दर है यह की रचना सराहनीय है व माता देवी का स्थान है बहुत ही सुंदर है। बुजुर्गों का कहना है कि यह देवी की स्थापना राजा छत्रपाल सिंह ने किया था ऐसा कहना है बुजुर्गो का और आज भी राजा साहेब का राज महल मौके पर है पर छतिग्रस्त हो गया है जिसे आज भी सभी लोग कोटिया या कोटि के नाम से जाना जाता है आज भी माता देवी मंदिर में बहुत दूर- दूर से लोग दर्सन करने के लिए आते हैं ।और जो भी भक्त मन्नत मागते हैं उन्की मानोकामा पूरी होती है । हर सोम्मवार व शुक्रवार को निशान चढ़ाने के लिए भक्तो का ताँता लगा रहता है और आप से मै निवेदन कर्ता हूँ कि आप भी यहाँ माता के दरबार में आके जरूर दर्शन करें और आपकी मानों कामना काली माता अवश्य पूर्ण करेंगी यहाँ के पुजारी मेवालाल है। कहा जाता है कि भूत पूर्व प्रधान संगम लाल निषाद के कार्य काल में छोटा सा काली माता जी का मंदिर बनवा दिये थे।और उसके पहले देवी जी की मूर्ति खुले आसमान में थीं । और आज के समय में काली माता जी मन्दिर में विराज मान है कभी-कभी किर्तन भंडारा,भारत निषाद प्रधान व ग्रामिणों के सहयोग से होता रहता है । और आप को बता दूँ कि शारदीय नवरात्रि पर्व पर भक्तो के जमावड़ा लगा रहता है ।

एग्रीजंक्शन के लिए अभ्यर्थी 15 जुलाई तक करें आवेदन

प्रयागराज। जनपद में प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलम्बन योजना के अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में 64 एग्रीजंक्शन का लक्ष्य निर्धारित किया गया। योजनान्तर्गत उत्तर प्रदेश में निवास करने वाले कृषि स्नातक/कृषि व्यवसाय प्रबन्धन स्नातक/स्नातक जो कृषि एवं सहबद्ध विषयों यथा-उद्यान, पशुपालन, वानिकी, दुग्ध, पशुचिकित्सा, मुर्गी पालन एवं इसी तरह की गतिविधियां जो किसी राज्य/केन्द्रीय विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालयों जो आई0सी0ए0आर0/यू0जी0सी0 द्वारा मान्यता हो पात्र होंगे। इसके अतिरिक्त अनुभव प्राप्त डिप्लोमाधारी/कृषि विषय में इण्टरमीडिएट योग्य प्रार्थी पर विचार किया जायेगा। आयु-40 से अनधिक, अनुसूचित जाति/ जनजाति/ महिलाओं को 05 वर्ष की अधिकतम छूट है। पात्र अभ्यार्थियों में जिनकी जन्मतिथि पहले है, उन्हें वरीयता दी जायेगी। प्राप्त आवेदनों में विकास खण्डवार वरीयता सूची बनेगी एवं उसी आधार पर चयन समिति द्वारा अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा। विकास खण्डवार लक्ष्य निम्नवत है विकास खण्ड सहसो, चाका, बहादुरपुर, भगवतपुर एवं जसरा का लक्ष्य 02 एवं शेष विकास खण्डों का लक्ष्य 03 निर्धारित है।अतः कृषि विषय में योग्यता रखने वाले लाभार्थी अपना आवेदन समस्त अभिलेखों के साथ दिनांक 15.07.2024 को सायं 5.00 बजे तक मुण्डेरा मण्डी स्थित उप कृषि निदेशक, कार्यालय (कृषि भवन) प्रयागराज में प्रस्तुत कर सकते है। दिनांक 15.07.2024 को सांय 5.00 बजे के बाद किसी भी माध्यम से प्राप्त होने वाले आवेदन पर विचार करना सम्भव नही होगा। अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए कार्यालय नम्बर- 0532-2233419 पर सम्पर्क करें।

शंकरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अल्ट्रावायलेट लैब मशीन उपलब्ध

अखंड भारत संदेश

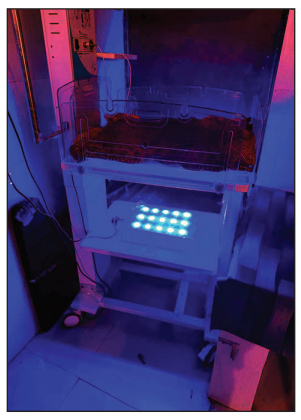

प्रयागराज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अल्ट्रावायलेट लैब मशीन के उपलब्ध हो जाने से नवजात शिशुओं में होने वाले पीलिया रोग के उपचार के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डा0अभिषेक सिंह द्वारा बताया गया कि सीएचसी पर अल्ट्रावायलेट लैंब मशीन उपलब्ध करा दी गई है। जिसके माध्यम से नवजात शिशुओं में होने वाले पीलिया रोग के उपचार में सुगमता होगी। बीते कुछ माह से मुख्य चिकित्साधिकारी प्रयागराज डॉ.आशू पाण्डेय के दिशा निर्देश के क्रम में अधीक्षक डा0अभिषेक सिंह द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर आवश्यक आधुनिक सुविधाए प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयास किया जा रहा है। विकास खंड की जनता के साथ साथ निकट सीमावर्ती मध्यप्रदेश के क्षेत्रों एवं जनपद चित्रकूट के समीपस्थ गावों से आने वाले मरीजों ने इस प्रकार स्वास्थ्य सुविधाओं के बेहतर होने पर प्रसन्नता जतायी है।

प्रोफेसर एसआई रिजवी बने इन्स्टीट्यूट आफ इंटरडिस्पनेरी स्टडीज के निदेशक

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्व विद्यालय के बायोकेमेस्ट्री के प्रोफेसर डा. एसआई रिजवी को विश्व विद्यालय के इन्स्टीट्यूट आफ इंटर डिस्पनेरी स्टडीज का निदेशक बनाया गया है। जनसंपर्क अधिकारी प्रो. जया कपूर ने बताया कि कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव के अनुमोदन के बाद कुलसचिव की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। प्रो. एसआई रिजवी वर्तमान में विश्वविद्यालय के डीन-रिसर्च एंड डेवलपमेंट की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। प्रो. रिजवी एक ख्यातिप्राप्त वैज्ञानिक हैं जिनके शोध देश-विदेश में प्रकाशित होते रहे हैं।

बरसात है सिर पर परंतु जल निकासी की व्यवस्था नगण्य

अखंड भारत संदेश

सहसों। मानसून का आगाज हो गया है बरसात सिर पर है परंतु ग्रामीण व कस्बा क्षेत्र में गांव की सरकारों द्वारा जल निकासी की व्यवस्था नगण्य ने दिख रही है। ग्रामीण अंचल के बस्तियां में बनी पक्की नालियां कूड़ा करकट से भरकर चोक हो गई है। नालियों की सफाई न होने के कारण बारिश का पानी एवं घरों से निकला गंदा पानी सड़कों पर जमा हो रहा है। जिसके कारण जहां राहगीरों के आवागमन में कठिनाई उत्पन्न हो रही है तो वहीं सड़कों पर जमे पानी एवं गंदगी के कारण उठ रही बदबू से संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। प्रयागराज गोरखपुर राजमार्ग पर स्थित विकास खण्ड बहादुरपुर के सहसों बाजार में गोल चौराहा से लेकर बाजार के मुख्य मार्ग पर एवं भोपतपुर में राजमार्ग पर कूड़ा करकट से भठकर चोक पक्की बनी नालियों की सफाई नहीं होने के कारण सड़कों पर पानी जमा हो रहा है। इस संबंध में बस्ती वासियों ने अपने-अपने ग्राम प्रधानों एवं क्षेत्र पंचायत के संबंधित अधिकारियों से शिकायत भी की परंतु कोई सुनवाई नहीं हुई। जबकि शासन द्वारा इन गांव की सरकारों को लाखों करोड़ों रुपया गांव के विकास एवं नालियों की सफाई, मरम्मत के लिए भेजा जाता है। फिर भी गांव का विकास तो दूर पक्की बनी नालियों की सफाई से जल निकासी की व्यवस्था सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा है। जिससे ग्रामीण एवं राहगीर समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिससे गांव के गली, मोहल्लों एवं बाजारों में फैली गंदगी एवं अवस्थाओं के चलते ग्राम पंचायत जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्र पंचायत के संबंधित अधिकारियों की उदासीनता साफ झलक लग रही है। अगर समय रहते नालियों की सफाई नहीं हुई तो बरसात होने पर मार्गो पर पानी जमा होकर गंदगी फैलने एवं आवागमन के लिए ग्रामीणों, राहगीरों तथा बस्ती वालों के लिए समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

सीएमओ आफिस पर धरना दूंगा : रेवती रमण सिंह

जाति विशेष के क्लीनिक पर दुर्भावनापूर्ण सील की कार्यवाही

अखंड भारत संदेश

करछना। पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रयागराज को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि दो दिन के अंदर दुर्भावनापूर्ण से सील किए गए जाति विशेष (यादव) के क्लीनिक नहीं खोले गए तो मैं शनिवार 29जून को सीएमओ आफिस पर धरने में बैठूंगा।सपा प्रदेश सचिव विनय कुशवाहा ने बताया कि चुनावी रंजिश निकालने के लिए करछना तरहार के यादवों की क्लीनिक में तालाबंदी किया गया है। जबकि उनका बकायदा रजिस्ट्रेशन हैं ऐसे तीन क्लीनिक में तालाबंदी किया गया बिना किसी शिकायत के दस दिन से ज्यादा हो गये।उन्होंने बताया कि जिन लोगों की क्लीनिक बंद की गई हैं वो लोग पूर्व सांसद के पास शिकायत लेकर आये कि मेरा रजिस्ट्रेशन हैं फिर भी बंद कर दिया गया जबकि वहीं डीहा बाजार में बिना रजिस्ट्रेशन डिग्री के झोलाछाप डॉक्टर अपने को विधायक का रिश्तेदार बता कर धड़ल्ले से अपनी क्लीनिक चला रहा है उस पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही हैं। प्रदेश सचिव ने बताया कि

पूर्व सांसद रेवती रमण सिंह ने तत्काल सीएमओ से वार्ता किया कि दो दिन में सील नहीं खोला गया तो मैं 29जून शनिवार को धरने पर बैठूंगा क्योंकि संविधान में सब के लिए बराबर के अधिकार दिऐ गये हैं।

बलात्कार का अभियुक्त गिरफ्तार

कोरांव। थाना कोराव प्रभारी राकेश कुमार भारती के निर्देशन में एस आई अबू तालिब जैदी ने क्राइम नंबर 115/2024 धारा 376,323,504, आईपीसी और पास्को एक्ट के मुलजिम विशाल कुमार कुशवाहा पुत्र धर्मेंद्र कुशवाहा कस्बा कोराव तथा संजय कुमार कुशवाहा पुत्र स्वर्गीय ठाकुर प्रसाद कुशवाहा कोराव को पुलिस बल के साथ धर दबोचा और जेल भेज दिया। उक्त गिरफ्तारी डब्लू की दुकान के पास जीवन ज्योति अस्पताल के पास से की गई।

सड़क पर दूषित पानी का जल जमाव

कौंधियारा। विकासखंड के अंतर्गत ग्राम सभा सेहरा के गुप्ता बस्ती में सड़क पर पानी का जल जमाव हो गया है ग्रामीणों के मुताबिक सड़क के दोनों तरफ नालियां नहीं बनाई गई है जिसके चलते हल्की सी भी बारिश होती है तो सड़क पर जल जमाव हो जाता है पानी निकलने का साधन न हो पाने से सड़क पर पानी इकट्ठा रहता है जिससे लोगों का आवागमन प्रभावित होता रहता है दूषित पानी से सड़क के बगल बने घरों के लोग भी बीमार हो गए हैं ऐसे में ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान और सचिव पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सड़क पर जमा पानी का निकासी न होने से लोगों का आवागमन बाधित होता है दूषित पानी में लोगों का आवागमन होता है ग्रामीण आए दिन बीमार होते रहते हैं कई बार ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी कौंधियारा से भी शिकायत कर चुके हैं लेकिन सचिव और ग्राम प्रधान को जांच हेतु मामले दे दिया जाता है लेकिन समस्या का समाधान अभी तक नहीं हो सका है।

न्यूज झरोखा

घर में घुस कर लूटपाट तोड फोड महिला को निर्वस्त्र कर दुराचार की कोशिश

मऊआइमा। दबंगों ने घर में घुस कर लूटपाट तोड फोड करते हुए महिला को निर्वस्त्र कर उसके साथ दुराचार की कोशिश किए। पन्द्रह हजार रुपए और सोने चांदी के जेवरात लूट कर कहीं शिकायत पर जान से मारने की धमकी दिए महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया। युवमऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम उमरिया बादल उर्फ गेंदा निवासनीय एक महिला का आरोप है कि 23 जून को रात दस बजे के करीब जब उसका परिवार सो रहा था तो गांव के दबंगों ने उसके घर में घुस कर उसके सास श्वसुर पति दुधमुहा बच्चे को मारे पीटे महिला का आरोप है कि ससुर के इलाज के लिए रखा पन्द्रह हजार रुपए तथा उसके कमरे की कुंडी कटर मशीन से काट कर गेंहू चावल सोना चांदी के जेवरात लूट लिए। महिला का आरोप है कि उसको निर्वस्त्र कर दिए । और बलात्कार करने की कोशिश किए। पीड़िता की तहरीर पर मऊआइमा पुलिस ने जबर बहादुर सिंह उर्फ छंगू सिंह,शेर बहादुर सिंह,राज सिंह, राहुल सिंह तथा छह सात अज्ञात जो चेहरा गमछा से ढके थे।मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जंगली बाघ ने आधा दर्जन बकरियों की ली जान, बकरी पालक भयाक्रांत

कोराव। ग्राम भवानीपुर थाना कोरांव में बीती रात्रि कृष्णा पाल पुत्र रामहित्त पाल की आधा दर्जन बकरियां घर में घुस कर जंगली बाघ बिग्वा ने हमला कर मांर डाला। बताया गया कि जंग के किनारे घर होने के कारण जंगली जानवर ने सभी बकरियां का खून पी पी कर छोड़ दिया। सुबह लोग देखे तो हड़कंप मचा। मौके पर 112 नंबर की पुलिस पहुंची। और सूचना अधिकारियों को दी। पशु पालक ने राजस्व प्रसासन से उचित मुआवजे की मांग की है।

मांडा ब्लॉक में ऐसा गांव, जहां आवास नहीं दे सकी सरकार!

नौ साल से पीएम, सीएम आवास का नहीं मिला लाभ, ग्रामीणों में आक्रोश

प्रदीप कुमार

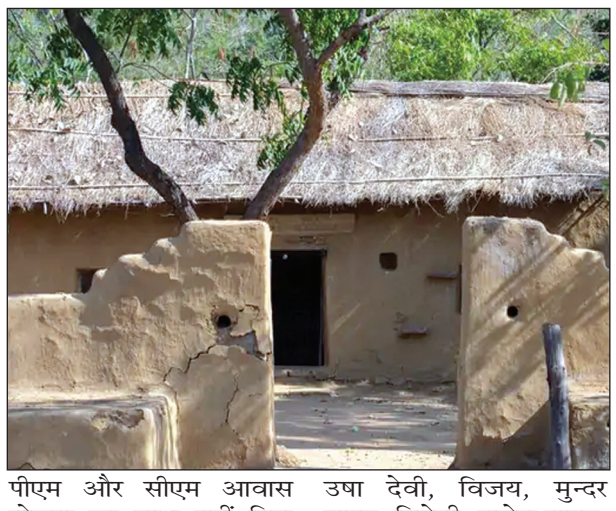

मांडा। विकास खण्ड मांडा मुख्यालय अन्तर्गत कुखुड़ी ग्राम पंचायत में रहने वाले किसी भी ग्रामीण को नौ साल के अन्दर एक भी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास का लाभ नहीं मिला है। गांव में 66 परिवार अंत्योदय कार्ड धारक हैं। कि गांव का नाम आवास प्लस वेबसाइट से गायब होने की वजह से समस्या बनी हुई है। गौरतलब हो कि इस गांव में कुल आबादी लगभग 4000 और मतदाताओं की संख्या लगभग 1600 परिवार है। गांव में अंत्योदय कार्ड धारक 66 परिवार है। जिनको बीते नौ सालो से

पीएम और सीएम आवास योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। वहीं गांव के लल्लन, त्रिभुवन, मथुरा, राकेश, राज कुमारी, नरेश, उषा देवी, विजय, मुन्दर यादव, त्रिवेणी, राजेश यादव, हरीश, उमराई देवी आदि दर्जनों परिवार कच्चे मकान में रहने के लिए मजबूर है।

ग्रामीणों का कहना है

ग्राम पंचायत कुखुडी की ग्राम प्रधान रेनू देवी का कहना है कि नौ साल पहले कर्मचारियो द्वारा की गई लापरवाही का दंश जरूरत मंद गरीब लोगों को भुगतना पड़ रहा है। आवास अनुदान नहीं मिलने से लोगों में असंतोष व्याप्त हैं।

गिरजा देवी का आरोप है कि कुखुड़ी गांव में रहने वालों के साथ सौतेला व्यवहार किया गया है। बीते नौ साल से किसी भी जरूरत मंद को आवास नहीं दिया गया है। आज भी लोग कच्चे मकान में रहने को मजबूर है।

लल्लन सरोज का आरोप है कि नौ साल से लगातार आवास अनुदान के लिए फार्म भरा गया। लेकिन प्रधान से लेकर ब्लॉक कार्यालय तक गुहार लगाई गई इस साल नहीं अगले साल आवास का लाभ देने का भरोसा दिया गया। फिर भी गांव का नाम पोर्टल पर दर्ज नहीं होने से हर बार निराशा ही हाथ लगी परिवार कच्चे मकान में रहने को मजबूर है।

उषा देवी ने बताया कि कम्प्यूटर प्रणाली के झाम में फंसने और ब्लॉक कर्मियों की लापरवाही से कुखुड़ी गांव के लोगों को आवास का लाभ नहीं मिला। मामले की जांच कराकर लापरवाह कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

पुलिस आयुक्त द्वारा अधिकारियों के साथ आयोजित की गई गोष्ठी

अखंड भारत संदेश

गोष्ठी में कई अहम बिन्दुओं को लेकर दिये गये निर्देश

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त प्रयागराज द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन स्थित त्रिवेणी सभागार में कमिश्नरेट प्रयागराज के समस्त राजपत्रित एवं अराजपत्रित पुलिस अधिकारीगण के साथ गोष्ठी की गयी, जिसमें पुलिस उपायुक्त नगर/गंगानगर/यमुनानगर/ मुख्यालय, अपर पुलिस उपायुक्त यमुना नगर/ अपराध / यातायात/ हाईकोर्ट सुरक्षा/ प्रोटोकॉल एवं समस्त सहायक पुलिस आयुक्त तथा समस्त प्रभारी निरीक्षक/ थानाध्यक्ष, समस्त ईकाईयों के प्रभारीगण द्वारा प्रतिभाग किया गया। गोष्ठी में कई बिन्दुओं पर निर्देश दिये गये।

आगामी महाकुम्भ-2025 के दृष्टिगत सभी अधिकारीगण अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण कर संभावित समस्याओं को चिन्हित कर संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर उन्हें समय से निस्तारित करना सुनिश्चित करें। गो-हत्या/गो-तस्करी के अपराधों पर कठोर विधिक कार्यवाही करें तथा धर्म संपरिवर्तन से सम्बन्धित अपराधों पर तथ्यों के आधार पर त्वरित कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। पॉक्सो एक्ट एवं बलात्कार से सम्बन्धित अपराधों में त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकरण की विवेचनात्मक कार्यवाही निर्धारित समयावधि 02 माह के अन्दर अवश्य पूर्ण कर ली जाये। वूमेन/चाइल्ड रिलेटेड क्राइम में रिस्पान्स टाइम कम से कम हो। पीड़ित के प्रति संवेदनशीलता होनी चाहिए। समाधान दिवस/ सम्पूर्ण समाधान दिवस/ जनसुनवाई में आये जमीन सम्बन्धी प्रकरणों में राजस्व के साथ संयुक्त टीम गठित कर उनका निस्तारण करायें। कम्यूनिटी पुलिसिंग पर फोकस करते हुए पुलिस के सहयोगी सम्मानित/संभ्रान्त व्यक्तियों से समन्वय बनायें। उनके साथ समयझसमय पर मीटिंग करते रहें। टेक्नोलाजी बेस्ड पुलिसिंग करें साथ ही बेसिक पुलिसिंग बीट सिस्टम, पिकेट/गश्त पर फोकस करते हुए अपराधों से संबंधित हॉट स्पॉट चिन्हित कर पुलिस विजिविलिटी बनाये रखें। ट्रैफिक जाम की समस्याओं का एनालिसिस कर एक्सीडेंट के ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर रोड़ सेफ्टी ऑडिट कर लें तथा दुर्घटनाओं को रोकने हेतु आवश्यक निवारक उपाय रोड साइन/बोर्ड लगवाये जायें। अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु गुण्डा/ गैंगस्टर एक्ट में नियमानुसार निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए अपराध से अर्जित सम्पत्ति के सम्बन्ध में 14(1) गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही करायें। आर्गनाइज्ड क्राइम के विरुद्ध जीरो टॉलरेन्स की नीति अपनाएं। ऑपरेशन कन्विक्शन के अन्तर्गत चिन्हित मामलों में स्पीडी ट्रायल कराते हुए सजा दिलवायें। 01 जुलाई -2024 से तीनों नये कानून लागू हो जायेंगे। अपने अधीनस्थों की ट्रेनिंग सुनिश्चित कर लें। मोबाइल एप आपराधिक कानूनों का संकलनह्न का उपयोग करें। आगामी त्यौहार मोहर्रम के सम्बन्ध में ताजियादारों से एवं पीस कमेटी की मीटिंग कर लें। ताजिये के रूट देख लें। रास्तों को समय से क्लियर करवा लें। किसी भी दशा में ताजिये नये रास्तों से नही जायेंगे। अगर कोई विवाद हो तो समय से निस्तारित करा लें। आगामी कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत उपयोग में आने वाले मार्गों पर भ्रमण करलें। मार्गों एवं शिवालयों पर साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करा ली जाये। कांवड़ यात्रा के रास्तों में वाहनों का परिचालन नही होना चाहिए। आगामी होने वाली पुलिस भर्ती परीक्षा के परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर लें। परीक्षा केन्द्र सरकारी स्कूल ही बनाये गये है। ऐसे स्कूलों के प्रबन्धक/ प्रधानाचार्य के संबंध में पूर्व यदि कोई आपराधिक गतिविधि हुई है तो उसकी रिपोर्ट तत्काल प्रेषित करें।

ट्रांसपोर्टर से रंगदारी व मारपीट करने वाला गिरफ्तार

नैनी। नैनी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक यशपाल सिंह के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा थाना नैनी में पंजीकृत वांछित अभियुक्त इम्तियाज अहमद को मुखबिर की सूचना पर मेवालाल बगिया स्थित पंतजलि मेगा स्टोर के पास थाना क्षेत्र नैनी से गिरफ्तार किया गया। डांडी इलाके में 13 जून की भोर में ट्रांसपोर्टर के मुंशी पर रंगदारी के लिए फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने बुधवार को पासर गैंग के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे मेवालाल की बगिया के पास से गिरफ्तार किया है।बता दें कि झूंसी थाना क्षेत्र के पूरे सूरदास इलाके के रहने वाले प्रदीप कुमार पांडेय ट्रांसपोर्टर हैं। उन्होंने 13 जून को नैनी कोतवाली में मेंहदौरी के रेहान समेत मोनू, आशुतोष समेत उनके कुछ अन्य साथियों के खिलाफ गुंडा टैक्स न देने पर उनके मुंशी प्रदीप जायसवाल से मारपीट और फायरिंग करने सहित अन्य आरोप लगाया था। जिसमें नैनी पुलिस ने नामजद सहित कई अन्यन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। उक्त मामले में तिगनौत निवासी दानिश पुत्र इम्तियाज अहमद का नाम सामने आया था। जिसे बुधवार को नैनी पुलिस ने मेवालाल की बगिया के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जातीय संघर्ष और मासूम को जिंदा जलाने में उम्रकैद पाए 13 दोषियों को जमानत, 15 लोगों पर दर्ज है केस

प्रयागराज। 23 साल पहले मथुरा में एक पंचायती भूखंड पर कब्जे को लेकर दलितों के घरों में आगजनी कर छह माह के मासूम को जिंदा जलाने में उम्रकैद की सजा पाए 15 सवर्णों में से 13 दोषियों की हाईकोर्ट ने जमानत मंजूर कर ली है। शेष दो की अर्जी पर जनवरी 2025 के बाद विचार होगा।यह खूनी खेल मथुरा के हाईवे (तब नरहौली) थाना क्षेत्र के दतिया गांव में 23 जनवरी 2001 की सुबह करीब 7 बजे शुरू हुआ था। तब, पंचायती भूखंड पर सवर्णों ने जबरन निर्माण शुरू किया, जिसका दलितों ने विरोध किया। फिर, जातीय संघर्ष छिड़ गया। पीड़ित होरीलाल ने एफआईआर में कहा कि सवर्णों ने मारपीट, फायरिंग और आगजनी की, जिसमें राजेंद्र सिंह की जांघ में गोली लगी। छह माह की गुड़िया भी झोपड़ी में जिंदा जल गई।पुलिस ने 16 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पहले सीओ सदर ने जांच की, फिर सीबीसीआईडी आगरा ने। विवेचना में आठ और आरोपी पता लगे। पहला आरोप पत्र दिसंबर 2005 और दूसरा जनवरी 2006 में ट्रॉयल कोर्ट में दाखिल हुआ। इस बीच आरोपी पक्ष की याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनवाई स्थगित कर दी। यह स्थगन 2021 तक प्रभावी रहा।

ट्रायल कोर्ट ने सुनाई थी आजीवन कारावास की सजा

वर्ष 2021 से फिर सुनवाई शुरू हुई। ट्रायल के दौरान 9 आरोपियों की मौत हो गई। बाकी 15 आरोपियों को जिला अदालत ने जनवरी 2024 में दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाते हुए 73-73 हजार का जुमार्ना भी लगाया। तब से सभी दोषी जेल में हैं। हाईकोर्ट में सजा रद्द करने की अपील की सुनवाई न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मो. अजहर हुसैन इदरीशी की खंडपीठ कर रही है। कोर्ट ने जगदीश, लक्ष्मी नारायण उर्फ लच्छो, श्याम सिंह, मोहन लाल, रामस्वरूप, रमन सिंह, करुआ, जयपाल, तुल्ली, छिद्दी सिंह, हरी नारायण, रामचंद्र और कमल सिंह की जमानत मंजूर कर ली। गोली चलाने में दोषी पाए गए नंदू उर्फ नंदो और छगन लाल की अर्जी पर जनवरी 2025 तक सुनवाई टाल दी गई है।

रेलवे द्वारा बन्द किये जा रहे रास्ते का फिर लोगों ने किया विरोध

एसडीएम फूलपुर ने रास्ता खुले रहने का दिया था आश्वासन

झूंसी। रेलवे अंडरपास निर्माण के चलते बंद हो रहे सैकड़ो परिवार के रास्ते को लेकर बुधवार को फिर हंगामा शुरू हो गया। हंगामा की सूचना पर एसडीएम फूलपुर झूंसी पुलिस व रेलवे के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे वहां मौजूद कोहना पार्षद अनिल यादव उर्फ.धुन्नू व समाजसेवी रवि प्रखर के हस्तक्षेप के बाद एक बार फिर रास्ता खोलने पर सहमति बनी। दो महीने पहले भी रास्ते को लेकर लोगो ने हंगामा किया था तब भी एसडीएम फूलपुर तपन मिश्रा ने रास्ते खुल रहने का आश्वासन दिया था। रेलवे अंडर पास की बाउंड्री निर्माण के चलते आजाद नगर व रेलवे लाइन के किनारे रहने वाले सैकड़ो परिवार का रास्ता बंद हो रहा है। बुधवार को एक बार फिर रास्ते पर काम शुरू हुआ तो दर्जनों महिला, पुरुष निर्माण स्थल पर पहुंचकर हंगामा करने लगे सूचना पर एसडीएम फूलपुर तपन मिश्रा फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे वहा मौजूद कोहना पार्षद अनिल यादव व समाजसेवी रवि प्रखर के साथ मौजूद लोगो से वार्ता के बाद रास्ता खोलने पर सहमति बनी।

नगर आयुक्त ने किया विभिन्न कार्यों का निरीक्षण दिया आवश्यक दिशा निर्देश

प्रयागराज। नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज, चन्द्रमोहन गर्ग द्वारा बुधवार को प्रातः 09:30 बजे सफाई व्यवस्था, मार्ग प्रकाश व सीएनडीएस द्वारा कराये जा रहे घाटों एवं जनकार्य विभाग के निर्माणकार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियन्ता, सिविल एवं वि./या., अधिशाषी अभियन्ता सीएसडीएस, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत/सिविल, सम्बन्धित, सहायक अभियन्ता व अवर अभियन्ता एवं सम्बन्धित फर्म के ठेकेदार तथा थर्ड पार्टी टीम के सदस्यगण भी मौके पर मौजूद रहे । सर्वप्रथम जोन-4 स्थित यमुना बैंक रोड काली घाट पर जगह-जगह गन्दगी एवं कूड़े के ढेर पाये गये। मौजगिरी घाट एवं कालीघाट के निर्माण कार्य के निरीक्षण के दौरान कार्य काफी धीमी गति से होता पाया गया। कार्य प्रारम्भ होने के लगभग 15 दिन व्यतीत होने के उपरान्त भी मौके पर कार्य मात्र 03 प्रतिशत ही हुआ पाया गया, घाट के पार्किंग स्थल पर मलवा आदि फैला हुआ पाया गया। नगर आयुक्त द्वारा साफ-साफई के निर्देश के साथ अधिशाषी अभियन्ता सीएनडीएस को

मलवा हटवाने हेतु निर्देशित किया गया, साथ ही मुख्य अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि मौजगिरि एवं कालीघाट के मरम्मत कार्य का अधिशाषी अभियन्ता सीएनडीएस से समन्वय स्थापित करते हुये घाट का निरीक्षण कर संस्तुति सहित आख्या प्रेषित करें कि पूर्व में निर्मित टॉयलेट, चेजिंग रूम आदि मरम्मत करने योग्य है या ध्वस्त कर पुनः निर्माण कराया जाय। इसी के साथ ही बाघम्बरी रोड एवं नाला निर्माण कार्य निरीक्षण के दौरान नाले की दीवार कई स्थानों पर मोटी-पतली तथा टेड़ी मेड़ी पायी गयी। सम्बन्धित ठेकेदार को निर्देशित किया गया कि दीवार को ठीक कराया जाए साथ ही मुख्य अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि उक्त कार्य की थर्डपार्टी से जॉच कराकर रिपोर्ट प्रेषित करें।जोन-3 स्थित अशोकनगर में हो रहे एमआरएफ सेन्टर एवं ट्रांसफर स्टेशन के निर्माणकार्य के निरीक्षण के दौरान पर्यावरण अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि प्लान्ट पर आने वाले वाहनों हेतु टूलेन रोड बनवाये जिससे गाड़ियों के आवागमन में किसी भी प्रकार की कठिनाई ना हो। उक्त के सम्बन्ध में पर्यावरण अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि एक सप्ताह में प्लान बना कर प्रेषित करें। थार्नहिल रोड सांई मंदिर नाला निरीक्षण के दौरान नाले की सफाई के उपरान्त सिल्ट मौके पर पाई गई। अवर अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि तत्काल सम्बन्धित फर्म द्वारा सिल्ट उठवा कर साफ-सफाई कराया जाए।मजार चौराहे से शिवकुटी तक लगाये जा रहे प्रकाश बिन्दुओं के कार्य का निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त द्वारा मुख्य अभियन्ता (वि0/या0) एवं सम्बन्धित फर्म के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि उक्त के अतिरिक्त अन्य साईडों पर दो दिनों के अन्दर कार्य प्रारम्भ कराये तथा कार्य गुणवत्तापूर्ण, ससमय एवं मानक के अनुरूप कराया जाए।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण का दायरा बढ़ाने की तैयारी, 71 नए ग्राम पंचायतों को किया जाएगा शामिल

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकर (पीडीए) का दायरा बढ़ाया जाएगा। इसके लिए कैबिनेट की मंजूरी भी मिल गई है। जिले की करीब 71 ग्राम पंचायतों को पीडीए में समाहित करने की तैयारी चल रही है। जिसके बाद यहां पर पीडीए की योजना के हिसाब से विस्तार होगा। इससे जहां भूमि का मूल्य बढ़ जाएगा, वहीं अवैध प्लाटिंग पर भी रोक लग जाएगी। पीडीए का दायरा कुछ ही दिनों में बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी जाएगी। विभागीय अधिकारियों की मानें तो वर्तमान में पीडीए का दायरा लगभग 1015 वर्ग किलोमीटर है। विस्तार के बाद यह दायरा करीब 1060 वर्ग किलोमीटर हो जाएगा। वर्तमान में पीडीए के अधिकार क्षेत्र में 456 ग्राम सभाएं शामिल हैं। सोरांव के 144 पूर्ण ग्राम और 25 आंशिक गांव, फूलपुर के 98 पूर्ण ग्राम और 19 आंशिक, करछना के 119 पूरे गांव और 14 आंशिक गांव और चायल के 95 पूर्ण गांव और 27 आंशिक ग्रामसभाएं शामिल हैं। अब 71 ग्रामसभाओं को और समाहित करने की तैयारी चल रही है। गंगापार और यमुनापार इलाके के ज्यादातर गांवों को शामिल करने की योजना है।वर्तमान में जीटी रोड पर हबुसा मोड़ के पास तक पीडीए का दायरा है। नए ग्राम पंचायत शामिल होने के बाद पीडीए का क्षेत्र सैदाबाद के नजदीक पहुंच जाएगा। इन गांवों के तमाम विकास कार्य पीडीए के द्वारा संचालित किए जाएंगे, जिससे जिला पंचायत का अधिकार इन गांवों से हट जाएगा। इसके पहले वर्ष 2008 में पीडीए का दायरा बढ़ाया गया था।

सीएचएसएल का प्रवेश पत्र जारी, एक जुलाई से होगी परीक्षा, ग्रुप सी के 3712 पदों पर होगा चयन

प्रयागराज कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने कंबाइंड हायर सेकेंड्री लेवल (सीएचएसएल)-2024 की टियर-1 परीक्षा का प्रवेश पत्र जारी कर दिया है। यह परीक्षा एक से 11 जुलाई तक कराई जाएगी। इसके लिए यूपी और बिहार के कई जिलों में केंद्र बनाए गए हैं।सीएचएसएल परीक्षा-2024 के लिए आठ अप्रैल से सात मई 2024 तक ऑनलाइन आवेदन लिया गया था। इस परीक्षा के जरिये ग्रुप सी के रिक्त 3,712 पदों पर भर्ती होनी है। इस पद के लिए देशभर से लाखों अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद परीक्षा कराने की तैयारी शुरू हो गई थी। इसमें आवेदन करने वाले 18 हजार अभ्यर्थियों की फोटो और हस्ताक्षर मानक के अनुरूप नहीं थे। इसलिए उनके आवेदन रद्द हो गए थे। इन अभ्यर्थियों के लिए 22 से 24 जून तक वेबसाइट पर संशोधन लिंक जारी किया गया था। उन्हें फिर से फोटो और हस्ताक्षर अपलोड करना था। इस प्रक्रिया के पूरा होते ही मंगलवार को प्रवेश पत्र जारी कर दिया गया है।प्रवेश पत्र का लिंक एसएससी के क्षेत्रीय कार्यालय की वेबसाइट https://www.ssc-cr.org पर उपलब्ध है। अभ्यर्थी इसमें परीक्षा केंद्र और शिफ्ट का समय देख सकते हैं। परीक्षा के चार दिन पहले प्रवेश पत्र डाउनलोड किया जा सकता है। एसएससी के क्षेत्रीय निदेशक राहुल सचान ने बताया कि टियर-1 परीक्षा एक, दो, तीन, चार, पांच, आठ, नौ, दस और 11 जुलाई को कराई जाएगी। इसमें सफल होने वाले अभ्यर्थियों को टियर-2 परीक्षा देनी होगी। उसके बाद अंतिम रूप से चयन होगा।

बढ़ सकता है गंगा यमुना का जलस्तर, मानसून सक्रिय होने के बाद प्रशासन अलर्ट

प्रयागराज। मानसून सक्रिय होने के बाद गंगा और यमुना के जलस्तर में तेजी आने की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल जलस्तर स्थिर है। दो दिन पहले कुछ तेजी दिखने के बाद जलस्तर बढ़ने की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पिछले 24 घंटे में प्रयागराज समेत प्रदेश के कई जनपदों में अच्छी बारिश हो के बाद जलस्तर में वृद्धि देखने को मिल सकती है। इसको देखते हुए प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। नैनी, फाफामऊ और छतनाग में जलस्तर को नापने का कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है। मानसून सक्रिय होने के साथ ही सिंचाई विभाग (बाढ़ प्रखंड) की ओर से गंगा और यमुना के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। विभागीय अधिकारियों की मानें तो कई इलाकों में अच्छी बारिश होने के कारण जलस्तर में वृद्धि हो सकती है। फिलहाल दोनों नदियों का जल स्थिर है। नैनी में यमुना का जलस्तर पिछले 24 घंटे में कुछ कम ही हुआ है। फाफामऊ में सुबह आठ बजे गंगा गा जलस्तर 78.70 मीटर, छतनाग में 70.18 मीटर रिकॉर्ड किया गया। इसी तरह नैनी में यमुना का जलस्तर 71.19 मीटर दर्ज किया गया।

न्यूज झरोखा

लोगो को नशा न करने के प्रति किया गया जागरूक

प्रयागराज। मादक पदार्थो के दुरूपयोग एवं अवैध व्यापार के विरूद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर मद्यनिषेध विभाग प्रयागराज एवं स्वै0 संस्था ग्रामोत्थान जन सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में सुभाष चौक में मद्यनिषेध प्रदर्शनी, रैली, मद्यनिषेध सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं संगोष्ठी आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुश्री चारूल मिश्रा-क्षेत्रीय मद्यनिषेध अधिकारी के नेतृत्व में मादक पदार्थ विरोधी रैली सुभाष चौक से निकाली गयी, युवाओं ने मादक पदार्थ विरोधी नारे लगायें। रैली में प्रतिभाग करने वाले छात्र/छात्राओं को विभागीय प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। उपस्थित जनसमुदाय को क्षेत्रीय मद्यनिषेध अधिकारी ने नशा न करने की शपथ दिलायी। गिरजेश श्रीवास्तव, सचिव ग्रामोत्थान जन सेवा संस्थान ने नशामुक्ति केन्द्र में व्यसनियो को नशा से मुक्त करने के लिये किये जा रहे उपायों के बारे में बताया। इस अवसर पर ओमप्रकाश मिश्रा, पंकज कुमार सिंह, देवेन्द्र सिंह समाजसेवी उपस्थित रहे।

बी.ई.ओ - एच एम नगर क्षेत्र प्रयागराज मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

प्रयागराज। बच्चों में शैक्षिक गुणवत्ता उन्नयन हेतु श्रीमती प्रतिभा सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी नगरक्षेत्र प्रयागराज जी की अध्यक्षता मे आज दिनाँक 26/06/2024 को प्र.अ./इं. प्र. अ.की मासिक समीक्षा बैठक जून 2024 सम्पन्न हुई। जिसमें एकेडमिक एवम् प्रशासनिक विन्दुओ पर विस्तृत चर्चा परिचर्चा हुई। जिसमें ए आर पी अजय कुमार,श्रीमती अनुरागिनी सिंह ,सुश्री अनीता सोनकर , अशोक कुमार व डा. स्मिता श्रीवास्तव जी उपस्थित रहीं। निपुण कार्यक्रम ,अधिकतम नामांकन , नामांकन रैली, फाइव प्वाइंट टूल किट का उपयोग ,पंजिकाओं का डिजिटलाइजेशन ,टाइम एन्ड मोशन , हाउसहोल्ड सर्वे ,आधार वेरीफिकेशन , बाल वाटिका , दीक्षा ऐप का उपयोग , स्मार्ट क्लास , डी बी टी ,समर कैम्प,पर्यावरण संरक्षण आदि विभिन्न विषयो पर विस्तृत चर्चा परिचर्चा हुई।संचारी रोग पर नियंत्रण कार्यक्रम पर चर्चा हेतु यूनिसेफ से प्रीति तिवारी , अर्चना एवम चन्द्रकान्ता जी उपस्थित रहीं। नगर के प्रत्येक विद्यालयों के प्रमुख मीटिंग में उपस्थित रहे।

गणेश देववंश का नया वीडियो एल्बम रिलीज

प्रयागराज। प्रयागराज के जाने माने संगीतकार एवं शास्त्रीय गायक नैनी के रहने वाले गणेश देववंश कई वर्षों बाद एक बार फिर अपने नए म्यूजिक एल्बम आज मौसम बड़ा बेईमान है को लेकर सुर्खियों में है। हाल में ही रीलीज हुए इस एल्बम को काफी सराहा जा रहा है एवं सोशल मीडिया पे काफी वायरल भी हो रहा। संदीप स्टूडिओ के बैनर तले रिलीज इस कवर गीत का निर्देशन एवं ऑडिओ वीडियो एडिटिंग मशहूर गायक एवं यमुनापार कलाकार संघ के उपाध्यक्ष आशीष शर्मा ने किया है।

नैनी में लड़कों ने स्कूटी में रखा बैग चुराया

नैनी। नैनी क्षेत्र के खरकौनी इलाके में रहने वाले रामजी सोनकर की स्कूटी में रखे हैंड बैग को दो नाबालिग लड़कों ने गायब कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर नैनी पुलिस ने मामले की शिकायत दर्ज की। रामजी के अनुसार बैग में सोने की एक जंजीर, दो हजार रुपये नकद समेत अन्य जरूरी कागजत थे। इंस्पेक्टर नैनी यशपाल सिंह ने बताया कि मामले में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो नाबालिगों को पकड़ा गया है।

राजभाषा अनुभाग, इविवि द्वारा दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला का शुभारंभ

अखंड भारत संदेश

आदमी होने की तमीज भाषा से आती है - प्रो. संतोष भदौरिया

शब्दों के सही प्रयोग से ही आगे बढ़ेगी हिंदी।- अमरेंद्र कुमार चौधरी

प्रयागराज। राजभाषा अनुभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार - प्रसार के क्रम में विभागवार हिंदी कार्यशालाओं के आयोजन की कड़ी में विश्वविद्यालय के ह्यप्राचीन इतिहास विभागह्न के कार्मिकों के लिए दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

विशिष्ट अतिथि के रूप में नागर विमान प्रशिक्षण कॉलेज, बमरौली, प्रयागराज के श्री अमरेंद्र चौधरी ने राजभाषा हिंदी के संवैधानिक प्रावधानों पर चर्चा करते हुए कहा कि अनुच्छेद 353 से 351 तक भाषा से संबंधित अनुच्छेद हैं। 14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया। तब से प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। आगे उन्होंने बताया कि हमें शब्दों के चयन, वाक्य संरचना पर ध्यान देना चाहिए। नियमानुसार अब भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय रूप ही प्रयोग किया जाना चाहिए। मुख्य अतिथि प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. हर्ष कुमार ने कहा कि राजभाषा अनुभाग का विभागों में जा कर कार्मिकों को हिंदी भाषा में कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करना काफी सराहनीय कार्य है। ये कार्यशालाएं कार्मिकों के कार्यालयीन कार्य हिंदी में निष्पादित करने के लिए प्रोत्साहित करेंगी।ऐसी कार्यशालाएं आयोजित होती रहनी चाहिए। राजभाषा कार्यान्वयन समिति के समन्वयक और हिंदी विभाग के प्रोफेसर संतोष भदौरिया ने राजभाषा हिंदी के व्यवहारिक पक्ष की बात की। उन्होंने कहा कि हिंदी जो आपके सामने है वो 1000 वर्षों की परम्परा से बनी है। अमीर खुसरो से लेकर आज तक हिंदी ने कई स्वरूप देखे हैं। कबीर से लेकर धूमिल तक की परम्परा हिंदी की परम्परा है। हमें कार्यालयीन कार्य निष्पादन में हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। सिद्धांत से ज्यादा प्रयोग से ही हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार होगा।हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं का रिश्ता प्रगाढ़ होना चाहिए जिससे भारतीयता का विकास होगा. भाषा हमें मनुष्य बनने में मदद करती है. आदमी होने की तमीज भाषा से ही आती है.अंग्रेजी सीखना अच्छी बात है लेकिन मातृभाषा में अभिव्यक्ति सबसे उत्तम बात है।हिंदुस्तान में अंग्रेजी जानने वाली सिर्फ 3 प्रतिशत आबादी है। ये सुखद है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय में भारत के हर कोने से विभिन्न बोलियां बोलने वाले शिक्षक और कर्मचारी आए हैं। जिससे संस्थान गुलदस्ता गुलदस्ता जैसा लगता है। हमारा विश्वविद्यालय इस समय विभिन्न बोलियां वाले कार्मिकों का गुलदस्ता है। राजभाषा अनुभाग विभिन्न बोलियों के शिक्षकों/ कार्मिकों को मंच प्रदान कर इसी गुलदस्ते के निर्माण में सक्रिय है.शब्दों का अपना सफर है, इसी सफर की तरह भाषा का भी सफर है। कबीर ने सही कहा कि भाखा बहता नीर है, भाषा बदलती रहती है। हम विभिन्न भाषा-भाषी क्षेत्र से आते हैं । सभी हिंदी अगर बोल रहे हैं तो भी हम उनकी टोन से उनके क्षेत्र का पता लगा लेते हैं। आज तकनीक ने हिंदी प्रयोग को विस्तार दिया है लेकिन हमें तकनीक प्रयोग की तमीज होनी चाहिए। दूसरे सत्र में हिंदी अधिकारी, प्रवीण श्रीवास्तव ने राजभाषा अधिनियम एवं राजभाषा नियम की बात करते हुए कार्मिकों को संबोधित किया । कहा कि हिंदी में कामकाज करना हमारी विधिक जिम्मेदारी के साथ-साथ नैतिक जिम्मेदारी भी है। हमें राजभाषा के उपबंधों के तहत कार्यालयीन कार्य का निष्पादन करना है। हिंदी अनुवादक हरिओम कुमार ने कार्यालयीन कार्य निष्पादन में हिंदी के प्रयोग के बारे में बताते हुए कहा कि हमें विभाग का नाम, अध्यक्ष का नाम, संकाय का नाम, मुहरें, पत्र शीर्ष फाइलों पर विषय वस्तु, आदि के साथ-साथ कुल 14 प्रकार के दस्तावेजों को अनिवार्य रूप से द्विभाषी रूप में होने चाहिए। सभी कार्मिकों को उपस्थिति पंजिका में नाम हिंदी में लिखने चाहिए तथा अपने हस्ताक्षर भी हिंदी में करने चाहिए। प्राप्त पत्रों का रिकार्ड रखना चाहिए। राजभाषा नियम 5 के अंतर्गत हिंदी में प्राप्त पत्रों का जवाब हिंदी में ही दिया जाना चाहिए। कार्यशाला का संचालन हिंदी अनुवादक हरिओम कुमार ने तथा धन्यवाद ज्ञापन हिंदी अधिकारी प्रवीण श्रीवास्तव ने किया ।

जनता के विश्वास से ही अपराध नियंत्रण का मिशन होता है साकारः सतपाल अंतिल

निवर्तमान एसपी को पुलिस लाइन सभागार में समारोहपूर्वक दी गयी विदाई, मुरादाबाद एसएसपी की ताजपोशी पर हुआ सम्मान

बहुत याद आएगी कप्तान सतपाल अंतिल की कार्यशैली

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल प्रतापगढ़ में लगभग तीन वर्षों तक रहने के बाद मुरादाबाद के एसएसपी के पद पर स्थानांतरित हो गये हैं। उनके स्थान पर डा0 अनिल कुमार नये पुलिस अधीक्षक के रुप में यहां कार्यभार ग्रहण करेंगे। अपने लगभग तीन वर्षों के कार्यकाल में सतपाल अंतिल ने प्रतापगढ़ की कानून व्यवस्था पर अंकुश लगाने में सफलता पाई थी। सबसे बड़ी खूबी यह थी कि घटना हो जाने के 24 घंटे या 48 घंटे के अंदर ही अपराधी को पकड़ लिया जाता था। पुलिस अधीक्षक के इस अभियान में जो थानाध्यक्ष ढीले दिखे, उन्हें एसपी ने तुरंत हटा दिया। इससे अपराधियों में यह भय हो गया था कि हम अपराध करके बचेंगे नहीं। सबसे अच्छी बात यह थी कि ज्यादातर अपराधियों को पकड़ने में हुई मुठभेड़ में बदमाशों के पैर में गोली मारी जाती थी। इससे लगता है कि पुलिस अपराधियों को नहीं, बल्कि उनके अपराध को खत्म करने का प्रयास करती रही।

निवर्तमान एसपी सतपाल अंतिल को सम्मानित करते अधिकारी।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले के मुरादाबाद एसएसपी पद पर स्थानांतरित हुए निवर्तमान एसपी सतपाल अंतिल को पुलिस लाइन के सभागार में बुधवार को समारोहपूर्वक विदाई दी गयी। विदाई समारोह में अधिवक्ताओं, व्यापारियों, साहित्यकारों व संभ्रान्त नागरिकों ने एसपी सतपाल अंतिल के तीन वर्ष के जिले में सफलतम कार्यकाल को लेकर उन्हें सम्मानित भी किया।

निवर्तमान एसपी सतपाल अंतिल ने कहा कि जनता के विश्वास को अर्जित कर ही पुलिस अपराध नियंत्रण के लक्ष्य को सफल बना सकती है। उन्होनें कहा कि पुलिस और आम लोगों के बीच सीधे संवाद और विश्वास की भावना से समाज में अमन व शांति का वातावरण सुदृढ़ हुआ करता है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए जिले के डीएम संजीव रंजन ने कहा कि एसपी सतपाल अंतिल के साथ शासन की योजनाओं को संचालित कराए जाने में शांति का वातावरण मिलना एक सुखद अनुभूति रही है। कार्यक्रम में व्यापार मण्डल, अधिवक्ता संगठनों, नागरिक संगठनों व मीडिया से जुड़े संगठनों की ओर से निवर्तमान एसपी सतपाल अंतिल को स्मृति चिन्ह, धार्मिक ग्रन्थ, बुकें व मालाएं प्रदान कर गर्मजोशी के साथ सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी दुर्गेश सिंह तथा अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी संजय राय ने किया। संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार सिंह ने किया। समारोह को सीडीओ नवनीत सेहारा, एडीएम त्रिभुवन विश्वकर्मा, सीआरओ राकेश कुमार ने भी संबोधित कर स्थानांतरित पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल की प्रशासनिक दक्षता को सराहा। वहीं राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी के प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, जूनियर बार एसोशिएसन के अध्यक्ष रोहित शुक्ल, आल इण्डिया रूरल बार एसोशिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल, पूर्व अध्यक्ष आनन्द प्रचण्ड, इंदुभाल मिश्र, महामंत्री संतोष सिंह, पूर्व अध्यक्ष मान सिंह, वरिष्ठ साहित्यकार राज नारायण शुक्ल राजन, लालगंज संयुक्त अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश, सांगीपुर ब्लाक प्रमुख अशोक सिंह बबलू, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी, व्यापारी नेता मंजीत सिंह छावड़ा, राजेन्द्र केसरवानी ने भी आम लोगों का प्रतिनिधित्व करते हुए एसपी सतपाल अंतिल के सरल एवं सुलभ जनसंवाद की जमकर प्रशंसा की।

राजा भइया भी पहुंचे एसपी के विदाई समारोह में, दी शुभकामनाएं

सतपाल अंतिल को शुभकामना देते राजा भइया।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले के पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के विदाई समारोह में जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भइया पहुंचे। उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक ने अपने कार्यकाल में जनपद की कानून व्यवस्था को अंकुश में रखकर अपराधियों में भय पैदा किया। इससे प्रतापगढ़ में अब अपराध घटे हैं, इसके लिये उन्होंने सतपाल अंतिल को बधाई दी और मुरादाबाद के एसएसपी के रुप में कार्य करने के लिये शुभकामनाएं दी। इस मौके पर रुरल बार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मुक्कू ओझा भी मौजूद रहे।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु सभासदों व सफाई नायकों का हुआ संवेदीकरण

एक जुलाई से 31 जुलाई तक के अभियान का रोस्टर जारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आगामी एक जुलाई से 31 जुलाई तक चलने वाले संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत आज नगर पालिका के सभागार में सभासदों, सफाई नायकों तथा कर्मचारियों का संवेदीकरण किया गया जिसमें एक जुलाई से 31 जुलाई तक का रोस्टर बताते हुए पूरे माह तक शहर के नाले-नालियों की सफाई, एंटी लार्वा का छिड़काव तथा फागिंग के अलावा मच्छरजनित रोगों के रोकथाम के उपाय की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी राम अचल कुरील ने कहा कि वर्षा के दिनों में जलभराव से मच्छरजनित रोग डेंगू व चिकनगुनिया होने का डर रहता है। इससे सावधानी बरतना आवश्यक है। कार्यक्रम में जिला सहायक मलेरिया अधिकारी अनिल कुमार दुबे, मलेरिया निरीक्षक संतोष कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि इसके लिये जागरुक होना आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में सभासदों में राकेश पटेल, रमेश मौर्य, अमृत लाल आदि ने ईओ से अपने क्षेत्र की समस्याओं को अवगत कराया। कार्यक्रम में यूनिसेफ की मिराजुल निशा व मोहम्मद वकील ने मच्छरजनित रोगों से बचाव के उपाय बताए।

नगर पालिका के सभागार में आयोजित बैठक में मौजूद अधिकारीगण व सभासद

संविलित विद्यालय में चोरी

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के विकास क्षेत्र कालाकांकर के अंतर्गत संविलित विद्यालय कुतवनपुर मे मंगलवार की बीती रात अज्ञात चोरो ने विद्यालय परिसर मे बने दिव्यांग शौचालय व शौचालय की छत पर रखे एक एक हजार लीटर की दो पानी की प्लास्टिक की टंकी व स्टोर रूम मे रखा 2 बोरी चावल, 4 कुर्सी व पांच बाल्टी तथा पुस्तकालय मे रखी हुई एन0 टी0 आर0 सी0 की लगभग 100 पुस्तकें चुरा ले गये छत पर लगे लोहे की सरिया को भी चुराने का प्रयास किया लेकिन सफल नही हो सके। घटना की जानकारी बुधवार की सुबह मिलने पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि संतोष यादव विद्यालय पहुँचे और मामले की जानकारी प्रभारी प्रधानाध्यापक पन्नालाल को दी पर मौके पर पहुँचे प्रधानाध्यापक ने चोरी गये सामान की लिस्ट बनाकर घटना की तहरीर नवाबगंज पुलिस को दी पुलिस ने तहरीर मिलते ही मामले मे जांच को जुटी हुई है।

एजेंट के लुटेरों को पुलिस ने मुठभेड़ में किया गिरफ्तार

नगदी, तमंचा, मोबाइल व मोटरसाइकिल बरामद

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बीती रात थाना अन्तू क्षेत्र के अन्तर्गत लोहंगपुर के पास रिकवरी कर लौट रहे एक एजेंट के साथ बाइक सवार तीन अज्ञात बदमाशों द्वारा तमंचा दिखाकर उसके पास से 19 हजार रुपये व एक मोबाइल फोन छीन लिया और भाग निकले।

मामले की सूचना पुलिस को दी गई जिस पर अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी दुर्गेश कुमार सिंह के नेतृत्व एवं क्षेत्राधिकारी नगर शिवनारायण वैश के मार्गदर्शन में स्वॉट/सर्विलांस टीम एवं प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र कुमार मय हमराह द्वारा इलेक्ट्रानिक/मैनुअल साक्ष्यों व मुखबिर की सूचना पर थाना अन्तू क्षेत्रान्तर्गत रामगढ़ी तिराहा से रामगढ़ी सड़क के पास एक मोटर साइकिल को रोकने का प्रयास किया गया।

मोटर साइकिल पर सवार बदमाशों द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग किया गया, जिसपर पुलिस टीम/स्वॉट टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही में पुलिस मुठभेड के दौरान घायल अभियुक्त अजमल खान पुत्र अमजद खान निवासी कांशीराम कालोनी सरोज चैराहा थाना कोतवाली नगर जनपद प्रतापगढ़ के बांये पैर में गोली लगी। इस दौरान उसके कब्जे से लूट के चार हजार रुपये, तमंचा, कारतूस व घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल व मोबाइल फोन बरामद किया तथा एक अन्य अभियुक्त मो0 शहबाज पुत्र मो0 अली निवासी बेगम वार्ड थाना कोतवाली नगर जनपद प्रतापगढ़ को लूट के चार हजार रुपये व रिकवरी रसीद के साथ गिरफ्तार किया गया व घायल अभियुक्त अजमल खान उपरोक्त को प्राथमिक उपचार हेतु जिला अस्पताल प्रतापगढ़ भेजा गया। स्वॉट/सर्विलांस टीम में प्रभारी स्वॉट टीम उ0नि0 सुनील कुमार यादव मय हमराह उ0नि0 दिनेश कुमार सिंह, आरक्षी धनन्जय राय, आरक्षी राजेन्द्र कुमार, आरक्षी जागीर सिंह, आरक्षी अनुपम पाथरे, आरक्षी अरविन्द दूबे, आरक्षी सनोज कुमार, आरक्षी प्रवीण नयन, प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र कुमार सिंह, उ0नि0 राकेश कुमार चैरसिया, उ0नि अंकित सिंह मय हमराह का0 राहुल यादव, का0 अनिल यादव, का0 संदीप यादव, का0 श्रवण कुमार थाना अन्तू शामिल रहे।

नशा निरोधक दिवस पर शपथ लेते पुलिस कर्मी।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर पुलिसकर्मियों ने ली शपथ

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। कोतवाली परिसर में पुलिस कर्मियों ने अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर शपथ ली। बता दें हर साल 26 जून को विश्व स्तर पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन दुनिया को नशीली दवाओं से मुक्त करने के लिए किए जा रहे कार्यों और सहयोग के विभिन्न प्रयासों का प्रतीक है। बता दें कि विश्व ड्रग दिवस की शुरुआत 26 जून 1989 को हुई। इसी के क्रम में पट्टी कोतवाल आलोक कुमार ने पुलिस कर्मियों को शपथ दिलाई। इस दौरान क्राइम इंस्पेक्टर कृष्ण प्रताप सिंह, उप-निरीक्षक श्याम सुंदर गिरी, शशिधर पाठक, ओम प्रकाश राय, अजीत सिंह, अंतर सिंह, शुभम सिंह के साथ ही कांस्टेबल नक्षत्र प्रताप सिंह, विश्वेंद्र प्रताप सिंह महिला आरक्षी गायत्री देवी, रिंकी सोनकर, प्रेमशिला पटेल, अंजू समेत समस्त पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

फायर कर क्षेत्र में दहशत फैलाने वाले को पुलिस ने दबोचा

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। थाना आसपुर देवसरा क्षेत्र के सैफाबाद से वाजिदपुर रोड पर बीते सोलह जून की रात्रि को लोगों में दहशत फैलाने के लिए सुदर्शन यादव पुत्र अमरजीत उम्र 21 बर्ष निवासी हरई पट्टी थाना पट्टी,और शिवम् सरोज पुत्र स्वर्गीय राम सुख सरोज उम्र 24 बर्ष निवासी रायचन्द पट्टी थाना पट्टी ने फायरिंग की थी। आज मुखबिर की सूचना पर इन लोगों को सैफाबाद पट्टी के नहर की पुलिया से सैफाबाद चैकी इंचार्ज सुनील राय ने अपने हमराही कांस्टेबल बाबूलाल, कांस्टेबल मोनू कुमार, हेड कांस्टेबल यशवंत सिंह राठौर, कांस्टेबल राकेश सरोज ने गिरफ्तार करके इन लोगों को न्यायालय भेज दिया। इन लोगों के पास से अवैध तमंचा कारतूस बरामद हुआ पूछताछ में इन्होंने बताया कि सैफाबाद से वाजिदपुर रोड पर स्थित देवी चरन को हड़काने के लिए हम लोगों ने फायरिंग की थी।

रंजिश के चलते महिला की पिटाई के मामले में पांच पर मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। रंजिश के चलते हुई मारपीट के मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ बलवा व मारपीट का मुकदमा दर्ज किया गया है। लालगंज कोतवाली के ढिगौसी छत्तू पटटी निवासी प्रेमा देवी सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि मंगलवार को रंजिश के चलते गांव के विपक्षी संजय सरोज व छोटू सरोज पुत्रगण मटरू, मंजू सरोज पत्नी मोनू, रामा पत्नी संजय सरोज, रीता पत्नी छोटू ने लाठी डण्डो से जमकर मारापीटा। बीचबचाव करने पहुंचे उसके पति को भी आरोपियों ने मारपीट कर अधमरा कर दिया। पुलिस ने जांच के बाद संजय सरोज समेत पांच आरोपियो के खिलाफ बलवा, मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है।

घायल अवस्था में किशोरी के मिलने पर मचा हड़कंप

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के कालाकांकर खास के कछार जंगल में संदिग्ध परिस्थितियों मे गांव की एक किशोरी का रक्त रंजिश अचेत अवस्था मे नाले के पास मिलने से हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार उक्त थाना क्षेत्र के कालाकांकर निवासी विनय कुमार निषाद की 20 वर्षीय बेटी कल्पना(काल्पनिक नाम) का सोमवार को खून से लथ पथ घायल अवस्था मे नाले के पास मिलने से हड़कंप मच गया किशोरी की शरीर के साथ कोई गलत काम होने की बात सामने आ रही है मामले की जानकारी होने पर परिजनों मे आक्रोश फैल गया मौके पर पहुंची नवाबगंज पुलिस ने आनन फानन मे घायल किशोरी को स्थानीय सीएचसी कालाकांकर ले गये जंहा चिकित्सको ने उपचार करने के बाद एस आर एन प्रयागराज भेज दिया जंहा हालत मे सुधार बताया जाता है। मामले मे घायल किशोरी के पिता विनय निषाद निषाद ने पुलिस को घटना के आरोपी के खिलाफ नामजद तहरीर दी है।

एक वर्ष बाद भी अधूरी पड़ी पीडब्ल्यूडी की सड़क

विभागीय लापरवाही से ग्रामीण परेशान, नही सुनते लोनिवि के जेई व ठेकेदार

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। एक वर्ष बाद भी पीडब्ल्यूडी की सड़क अधूरी पड़ी हुईं है। विभागीय लापरवाही के चलते ग्रामीणों परेशान हो रहे हैं। लोगों की शिकायत को भी अवर अभियंता सुनने को तैयार नहीं है। लगभग एक वर्ष पूर्व सड़क का निर्माण शुरू हुआ, लेकिन बोल्डर गिट्टी डालकर कार्यदाई संस्था नदारद हो गई।

विकास खंड लालगंज क्षेत्र स्थित रायपुर तियाई-रामपुर राजमार्ग से जगन्नाथपुर को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण पीडब्ल्यूडी से लगभग 1500 मीटर हुआ है। पीडब्ल्यूडी के नियमानुसार विभाग खुद की जर्जर सड़को की मरम्मत कराता रहता है। उसी में एक सड़क जगन्नाथपुर की भी है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क मरम्मत का कार्य लगभग एक वर्ष पूर्व से चल रहा है जो आज तक कार्यदायी संस्था द्वारा पूर्ण नहीं कराया जा सका है। कार्यदायी संस्था की मनमानी इस कदर है की वह सड़क पर शंकरगढ़ की गिट्टी को डालकर नदारद हो गया है। कई माह बाद भी ठेकेदार द्वारा निर्माणाधीन सड़क की सुध नही ली गई। मनमानी को लेकर लोग मामले की शिकायत जेई से किए। ग्रामीणों का आरोप है कि अवर अभियंता तो ठेकेदार से भी लापरवाह निकले। समस्या के समाधान की जगह वह कार्यदाई संस्था की तरफदारी करने लगे। लापरवाह कार्यदाई संस्था सड़क पर शंकरगढ़ की गिट्टी डालकर इस कार्य को भूल गई।यहां तक कि मार्ग पर पड़ी गिट्टी पर रोलर तक नसीब नही हो सका है। ग्रामीणों का रातों दिन आना-जाना लगा रहता है। बोल्डर गिट्टी की वजह से आए दिन राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे है। वहीं गांव के कुछ लोगों ने बताया कि इससे अच्छी तो पहले ही थी कम से कम लोग आ जा सकते थे, लेकिन आज लगभग कई महीनों से तो लोगो के लिए यह मार्ग किसी मुसीबत से कम नहीं है। इस समय के समाधान के लिए ग्रामीणों ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराया है।

अधूड़ी पड़ी लोक निर्माण विभाग की सड़क।

कमेटी अध्यक्ष आशुतोष तिवारी की दुर्घटना में मृत्यु पर कांग्रेसियों ने जताया शोक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। गोरखपुर महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशुतोष तिवारी की सड़क दुर्घटना में हुई दर्दनाक मृत्यु पर जिला कांग्रेस कमेटी, प्रतापगढ़ द्वारा जिलाध्यक्ष डॉ0 नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

जिलाध्यक्ष डॉ0 नीरज त्रिपाठी ने कहा कि स्व0 तिवारी जी में अभूतपूर्व संगठन क्षमता थी, उनके असमय जाने से हमने एक जुझारू साथी खो दिया है। इस अवसर पर सभी कांग्रेसजनों ने दो मिनट मौन खड़े होकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर शोक व्यक्त करने वालों में प्रमुख रूप से वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा0वी0के0सिंह, पीसीसी सदस्य डॉ0 प्रशांत देव शुक्ल, कोषाध्यक्ष वेदांत तिवारी, सेवादल अध्यक्ष महेंद्र शुक्ल, सचिव सुरेश मिश्र, विश्वास सिंह, उमेश तिवारी, अश्वनी उपाध्याय, विश्वास सिंह, के0के0 शुक्ल, सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

आशुतोष तिवारी की मृत्यु पर शोक जताते जिलाध्यक्ष डा0 नीरज त्रिपाठी

दो बाइक की आमने सामने भिड़न्त में तीन घायल

दो एसआरएन व एक रायबरेली रिफर

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के जनवामऊ केरावडीह मोड़ के निकट सजनलाल गल्ला ब्यापारी की दुकान के सामने बुधवार की सुबह लगभग साढ़े दस बजे दो बाइक की आमने सामने भिड़न्त हो जाने से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। सूचना पर पहुंची नवाबंगज पुलिस ने तीनो घायलों को उपचार के लिए सीएचसी कालाकांकर ले गयी जंहा चिकित्सको ने तीनो गंभीर रूप से घायलों मे दो को एस आर एन प्रयागराज व एक को रायबरेली रिफर के लिए रिफर कर दिया।घटना के बारे मे बताया जाता है कि मानिकपुर थाना क्षेत्र के छाताहार यादव पट्टी निवासी फूलचंद पुत्र रामदुलारे (32) वर्षीय, दूधनाथ पुत्र रामलाल यादव (45) वर्षीय व करमचंद पटेल पुत्र रामदुलारे पटेल (32) वर्षीय एक ही बाईक से वापस अपने घर जा रहे थे कि सामने से आ रहे बाइक सवार श्रवण पुत्र जोखूलाल (35) वर्षीय थाना क्षेत्र के कडरौ निवासी की थाना क्षेत्र के केरावडीह मोड़ के निकट गल्ला ब्यापारी की दुकान के पास आमने सामने दोनो बाईक की जोरदार भिड़न्त हो गयी जिसमे एक बाइक पर सवार तीनो युवक गंभीर रूप से सड़क पर खून से लथ पथ गिर पड़े आस पास के लोग घटना स्थल की तरफ दौड़ पड़े और घटना की जानकारी नवाबगंज पुलिस को दी मौके पर पहुंची नवाबगंज ने सड़क पर पड़े तीनो घायलो को उपचार के लिए प्राइवेट वाहन से सीएससी कालाकांकर ले गये।

मुख्यालय ब्लाक कालाकांकर मे बिजली पानी के लिए मचा हुआ हाहाकार

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। कालाकांकर पावर हॉउस से जुड़े ब्लाक मुख्यालय कालाकांकर मे विगत 4-5 दिनों से बिजली के गुल होने से कर्मचारियों व आवास मे रहने वाले पंचायत सचिवों मे बिजली पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है लोग इस भीषण गर्मी को झेलने के साथ पानी के लिये व्याकुल हो रहे हैं। बिजली आपूर्ति के अभी तक बहाल न होने से कर्मचारियो के साथ बच्चे परेशान हो रहे है । बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए ब्लाक मुख्यालय के कर्मचारियों ने एस डी ओ व जे ई का ध्यान इस ओर आकृस्ट कराया है।

चुल्ले से बांधकर गले में साड़ी का फंदा डाल झूली विवाहिता, मौत

अखंड भारत संदेश

टेढ़ी मोड़ कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के तरसौरा गांव में एक विवाहिता ने कमरे के अंदर चुल्ले से साड़ी बांधकर गले में फंदा लगाकर कर झूल गई जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची शहजादपुर पुलिस में शव को कब्जे में लेकर लिखापढ़ी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक ननका पटेल पुत्र नत्थूलाल मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता है। सात साल पहले मूल रूप से बिहार की रहने वाली दिल्ली में रह रही पूजा देवी से नानका ने लव मैरिज कर उसे गांव लाया। उसके बाद दोनों का जीवन हंसी खुशी बीत रहा था दोनो की एक पांच साल की पुत्री पिंकी भी हो गई। इधर पिछले कुछ दिनों में दोनो के बीच कुछ अनबन

लव मैरिज शादी का दुखद अंत आत्महत्या पर खड़े हुए सवाल!

रहने लगी जिससे दोनों के बीच मनमुटाव हो गया। एक सप्ताह से ननका दिल्ली से वापस आकर प्रयागराज में काम करने लगा और शाम को घर जाता था। बुधवार की सुबह वह काम के लिए प्रयागराज चला आया तो करीब सुबह साढ़े नौ बजे उसकी भाभी सावित्री देवी ने फोन से बताया की उसकी पत्नी पूजा देवी उम्र 25 साल ने घर के कमरे के अंदर लगे चुल्ले में साड़ी बांधकर गले में फंदा लगाकर झूल गई जिससे उसकी मौत हो गई। पत्नी की मौत की खबर सुनकर वह घर वापस आया और इसकी सूचना कोखराज पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच पड़ताल में जुट गई। उधर महिला की मौत के खबर सुनकर उसके परिजन दिल्ली से रवाना हो चुके है। महिला की मौत को लेकर गांव में चर्चा है कि इधर महिला का गांव के ही एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था जिससे पति और पत्नी में विवाद होने लगा था।

फांसी पर लटकता मिला युवक का शव

हत्या कर शव को आम के पेड़ मे लटकाने की आशंका

नेवादा कौशाम्बी सरांय अकिल थाना क्षेत्र के एक गांव मे आम के पेड़ से लटकता हुआ युवक का शव मिला है ग्रामीणों की सुचना पर मौके पर नजदीकी चौकी की पुलिस पहुंच कर शव को अपने कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है मिली जानकारी के मुताबिक सरांय अकिल थाना क्षेत्र के नेवादा गांव निवासी हिमांशू पुत्र ज्ञानसिंह उम्र लगभग 20 वर्ष की मंगलवार की रात तिल्हापुर गांव के बाहर पुलिया के पास आम के पेड़ मे लटकता हुआ शव मिला है सुबह होते ही गांव के लोगों ने पेड़ में शव देखा तो इसकी जानकारी नजदीकी चौकी पुलिस को दी गई वा परिजनो को जानकारी मिली तो मौके पर पहुंचे परिजन व चौकी पुलिस ने शव को पेड़ से उतार कर पोस्पमार्टम के लिये भेज दिया है फिलहाल फांसी लगाने का कोई कारण सामने नही आया है लेकिन ग्रामीणों की चचाओं पर जायें तो घटना के पीछे तरह तरह की बू आ रही है कि युवक की हत्या कर कोई अपना अपराध छुपाने के लिये लाश को पेड़ से लटका दिया गया है।

न्यूज झरोखा

एसपी के निर्देश पर पूरे जिले की पुलिस ने पैदल गस्त कर किया वाहन चेकिंग

कौशांबी यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव के निर्देशन में जिले के संपूर्ण थाना पुलिस ने बुधवार को अपने-अपने क्षेत्र में पुलिस बल के साथ पैदल गस्त कर वाहन चेकिंग अभियान चलाया इस दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों के पाठ पढ़ाए गए और उन्हें निर्धारित गति सीमा में वाहनों को चलाने के लिए निर्देशित किया गया शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने आम जनमानस से वार्ता कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया वाहन चेकिंग के दौरान गलत पाए जाने पर पूरे जिले में थाना पुलिस द्वारा वाहनों का ई-चालान किया गया और गलत अभिलेख पाए जाने पर वाहन को सीज किया पुलिस की बड़ी कार्रवाई से पूरे जिले में वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा। वाहन चेकिंग के दौरान कोखराज क्षेत्र के चाकवन चौराहे पर पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों वाहनों को चेक किया गया ई रिक्शा का चालान किया एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले अन्य वाहनों का ई-चालान किया तथा वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए उनके पालन हेतु जागरूक किया इसी तरह संपूर्ण जिले में चेकिंग के दौरान यातायात नियमों की जानकारी देते हुए पुलिस टीम द्वारा उनके पालन हेतु आम जन मानस को जागरूक किया गया

पुलों को स्टैंड बना कर जाम करने वाले ई-रिक्शा चालकों पर कार्यवाही

कोखराज कौशाम्बी कोखराज क्षेत्र के चाकवन चौराहे पर कोखराज थाना पुलिस ने वाहन चालकों के कागजात की जॉच की जांच के दौरान गलत पाए गए वाहनों का ई चालान किया गया कोखराज थाना पुलिस की जांच के दौरान गलत पाए जाने पर दो ई रिक्शा व 9 बाइक का ई चालान किया गया जिससे ई रिक्शा चालकों में हड़कंप मचा रहा चाकवन चौराहे पर बनाए गए पुल को ई रिक्शा चालकों ने वाहन स्टैंड बना दिया है जिससे इस स्थान पर लगातार जाम लगा रहता है और आवागमन में दिक्कत होती है दुर्घटनाएं बढ़ती हैं पुलिस ने मामले को गम्भीरता से लिया और पुल को वाहन स्टैंड बनाने वाले ई रिक्शा चालकों के वाहनों की जांच कर उन्हें कठोर चेतावनी थी और पुलों को स्टैंड बना कर जाम करने वाले ई रिक्शा चालकों पर कार्यवाही कर आम जनता को जाम से निजात दिलाई गयी जिससे आने जाने वाले राहगीरों ने पुलिस प्रशासन की सराहना किया

गोरखपुर महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशुतोष तिवारी की मृत्यु पर शोक

कौशाम्बी गोरखपुर के महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशुतोष तिवारी की मृत्यु सड़क दुर्घटना में हो गई थी इसी क्रम बुधवार को शीर्ष नेतृत्व के आवाह्न पर जिला अध्यक्ष कौशाम्बी गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में नगर पंचायत चरवा के आदर्श ग्राम सभा इंटर कॉलेज मे शोक सभा का आयोजन हुआ तत्पश्चात दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गई हम सभी कांग्रेसजन इस दुख की घड़ी में शोकाकुल परिवार के साथ हैं। शोक व्यक्त करने वालों में-आदिल जाफरी सम्मू अल्कमा उस्मानी, उदय यादव, सुरेंद्र शुक्ला, सचिन पाण्डेय, मोहम्मद फरमान, निक्की पाण्डेय,अजय पांडेय, मोहम्मद एहसान, कैलाश केशरवानी, अशोक पांडेय भैय्यन मिश्रा, विक्की तिवारी, विनोद भाई,किशन त्रिपाठी, उज्ज्वल, उपाध्याय, बाबा शुक्ला, गुड्डू केशरवानी, रामहर्ष पाल, अमित पाण्डेय, गुडु रैदास, अजय सरोज, ज्ञानदेव यादव, राकेश पाल, प्रदीप गौतम, सहित तमाम कांग्रेसजनों ने शोक व्यक्त किया।

खनन विभाग ने की कार्रवाई

टेढ़ी मोड़ कौशाम्बी बुधवार को सुबह 06:50 बजे खनन अधिकारी ने शहजादपुर में ओवर लोड बालू लादा दो ट्रक तथा नंम्बर प्लेट खुरचे हुए वाहनो का शमन शुल्क लगभग-1 लाख 60 हजार रुपए चालान कर गाड़ी चलान भुगतान करने के बाद छोड़ दिया।

विभिन्न थाना क्षेत्रों से 60 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ 03 अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्र से 60 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ तीन अभियुक्त गिरफ्तार किए गए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की गई है। थाना सराय अकिल पुलिस उ०नि० दिनेश कुमार शर्मा मय हमराह पुलिस बल द्वारा अभियुक्त सुखलाल पुत्र हुबलाल नि० हर्रायपुर थाना सराय अकिल को 20 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गया तथा थाना सराय अकिल पुलिस उ०नि० सुरेश चन्द्र दुबे मय हमराह पुलिस बल द्वारा अभियुक्त रामपुजारी पुत्र रामविशाल नि० खरका फकीराबाद थाना सराय अकिल को 20 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।थाना पिपरी पुलिस उ0नि0 रवि मौर्या मय हमराह पुलिस बल द्वारा अभियुक्त नितेश कुमार पासी पुत्र राम जतन पासी नि० रसूलपुर ब्यूर थाना पिपरी को 20 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध स्थानीय थाना पुलिस विधिक कार्यवाही के पश्चात न्यायालय के लिए चालान किया।

पिपरी पुलिस 02 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार किया

कौशांबी। थाना पिपरी पुलिस उ०नि0 राम स्वरूप मय हमराह पुलिस बल द्वारा एनसीआर नं0 23/08 धारा 323/504 भादवि से सम्बन्धित 02 वारंटी अभियुक्तों फूलचन्द्र यादव पुत्र राम लोटन यादव तथा अनिल कुमार पुत्र फूलचन्द्र नि०गण लालापुर थाना पिपरी पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को न्यायालय भेजा गया।

चोरी के सामान के साथ 04 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। दिनांक 24.06.2024 को थाना सैनी अन्तर्गत कस्बा सिराथू में दुकान के छत से अज्ञात चोरो द्वारा सोलर पैनल की चोरी की गयी थी। जिसके सम्बन्ध में थाना सैनी में मु0अ0सं0 225/24 धारा 379 भादवि पंजीकृत किया गया। अनावरण के क्रम में थाना सैनी पुलिस उ०नि० जय प्रकाश सिंह मय हमराह पुलिस बल द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर मुकदमा उपरोक्त से संबन्धित प्रकाश में आए 04 वांछित अभियुक्तों अंकित पुत्र विनोद पटेल, सुल्तान सिंह पुत्र लाल सिंह, राज कुमार पुत्र होरी लाल नि०गण पचासा थाना सैनी तथा विजय सिंह पुत्र ब्रजमोहन नि० बडियापुर थाना सुल्तानपुर घोष जनपद फतेहपुर को सिराथू सैयारा मार्ग पचासा नहर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से चोरी के 03 अदद सोलर पैनल बरामद किया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों का चालान न्यायालय किया गया।

भ्रष्ट और घूसखोरी के बड़े साम्राज्य से कैसे निपटेंगे नवागत जिलाधिकारी

अखंड भारत संदेश

पूर्व डीएम के कार्यकाल में साए की तरह लगे रहने वाले भ्रष्ट और घूसखोर अधिकारी कर्मचारी उन्हें लगातार करते रहे गुमराह

कौशाम्बी। जिले के सरकारी कार्यालय में भ्रष्टाचार और घूसखोरी का बड़ा साम्राज्य पनप चुका है जिसकी जड़े हिलाना बड़ा मुश्किल दिखाई पड़ रहा है पूर्व जिला अधिकारी के कार्यकाल में तो भ्रष्ट और घूसखोर अधिकारी कर्मचारी हमेशा साए की तरह उनके आगे पीछे लगे रहते थे और जिले की चौपट विकास योजनाओं पर पूर्व जिला अधिकारी को लगातार गुमराह करते रहे जिससे जिले का विकास बाधित हुआ और इसी बाधित विकास के चलते भाजपा को कौशांबी से करारी हार का सामना करना पड़ा भ्रष्ट और घूसखोर अधिकारी कर्मचारी से नवागत जिला अधिकारी कैसे निपटेगे यह बड़ा सवाल खड़ा है जिले में कई ऐसे अधिकारी कर्मचारी हैं जिन्होंने कई करोड़ की अवैध वसूली की है और फिर भी वह पूर्व जिला अधिकारी के कार्यकाल में उनके खासमखास बने रहे प्रत्येक कार्यक्रमों में पूर्व जिलाधिकारी के आगे पीछे देखे जाते थे जिससे आम जनता जिलाधिकारी से अपनी बात बेबाक तरीके से नहीं कह पाती थी जिसका नतीजा यह रहा कि जिले में भ्रष्टाचार और घूसखोरी तेजी से फैलता रहा आम जनता परेशान होती रही योजनाओं में कमीशन खोरी की पहली श्रेणी में लोक निर्माण विभाग आर ई एस पंचायत राज विभाग खनन विभाग मनरेगा योजना स्वास्थ्य बिभाग शिक्षा बिभाग आदि विभागों में भ्रष्टाचार की जड़े बड़ी गहरी हो गई है इन कार्यालय में तो प्रत्येक कार्यों में वडी कमीशन खोरी हो रही है घूसखोरी और कमीशन में लिप्त अधिकारियों कर्मचारियों की मजबूत जड़ को हिलाना बड़ा मुश्किल लगता है इन विभाग के अधिकारियों द्वारा लगातार शासन प्रशासन को हर तरह से गुमराह कर अपने उद्देश्य की पूर्ति की जाती है और अपने उद्देश्य में सफल होते दिख रहे हैं जिससे लगातार भाजपा की किरकिरी हो रही है नतीजा यह है कि विकास योजनाएं जमीनी हकीकत पर नहीं उतर पाती आम जनता गरीब कमजोर मजलूम परेशान है जांच के नाम पर केवल लीपा पोती होती है सरकारी जमीन तालाब शत्रु संपत्ति में कब्जा करवाने के बाद राजस्व कर्मी वसूली में लिप्त है राजस्व कर्मी भी करोड़ो में खेलते है जिले में आधे से अधिक सरकारी जमीनों पर पूर्व से कब्जे हैं वह कैसे खाली होंगे। जिले में बढ़ते भ्रष्टाचार का आलम यह है कि नगर पंचायत नगर पालिका में 35 प्रतिशत तक कमीशन खोरी पहुंच चुका है विकास भवन के कई कार्यालय में भी 30 प्रतिशत तक घूसखोरी पहुंच चुकी है ग्राम पंचायत की हालत तो बद से बदतर है बिना कार्य कराए फर्जी बिल वाउचर से भुगतान कराए जा रहे है जिला पंचायत राज अधिकारी मूकदर्शक बने हैं शिकायतों के बाद जांच कराई जाती है जांच में गबन उजागर होता है नोटिस और धमकी तक पूरी कार्यवाही सीमित रह जाती है पंचायत सचिव और प्रधान निलंबित नही होते हैं जांच में आरोप की पुष्टि होती है लेकिन दर्जनों आरोपी पंचायत सचिव से वर्षो बाद भी सरकारी रकम की रिकवरी नहीं हुई उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है जिससे जिला पंचायत राज अधिकारी और जिला विकास अधिकारी की भूमिका भी सवालों में है खंड विकास अधिकारी कार्यालय और मनरेगा में तो 50 प्रतिशत तक घूसखोरी पहुँच चुकी है सरकारी कार्यालय में कर्मचारियों अधिकारियों की उपस्थित की स्थिति भी बेहद खराब है कलेक्ट्रेट कार्यालय में भी इस तरह के कई कर्मचारी हैं जो हमेशा घूसखोरी के लिए विवादों से घिरे रहे हैं वह तो अफसर से भी गलत सही काम कराने का ठेका लेकर आम जनता से वसूली करने में माहिर माने जाते हैं लेकिन उनकी शिकायतें जिलाधिकारी तक ना पहुंच सके इसलिए वह हमेशा जिला अधिकारी के आगे पीछे साए की तरह मंडराते रहते हैं भ्रष्ट और घूसखोरों के बड़े साम्राज्य के बीच नए जिला अधिकारी के सामने बड़ी चुनौती है वह इसे स्वीकार कर भ्रस्टाचार की जड़े हिलाने में कितना सफल होते है वह इससे कैसे निपटने में सक्षम होंगे कैसी रणनीति बनाएंगे जिससे भ्रष्टाचार में लिप्त घूसखोर अधिकारियों और कर्मचारियों के चेहरे की हकीकत जिला अधिकारी के सामने तक पहुंच सके और जिले में भ्रष्टाचार की जड़े कमजोर हो आम जनता खुशहाल हो योगी सरकार का भ्रष्टाचार मुक्त सरकार का सपना पूरा हो सके।

सीओ सिराथू ने थाना का किया निरीक्षण

कौशाम्बी। क्षेत्राधिकारी सिराथू द्वारा थाना कोखराज का त्रैमासिक निरीक्षण कर थाना कार्यालय, हवालात, मालखाना,स्ट्राग रुम, टॉयलेट, बंदी गृह एवं रजिस्टरों को चेक किया गया व चलाए जा रहे अभियानों में कार्यवाही की समीक्षा की गयी तथा थाना परिसर का भ्रमण कर साफ-सफाई हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।

सीओ सिराथू ने किया कड़ाधाम मेले में भ्रमण

कौशाम्बी। क्षेत्राधिकारी सिराथू द्वारा अषाढ़ माह के अवसर पर मां शीतलाधाम कड़ाधाम में लगे मेले में भ्रमण कर वहां की स्थिति एवं सुरक्षा व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया गया तथा ड्यूटी पर लगे कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, इस दौरान स्नान घाटों का भी निरीक्षण कर वहां का जायंजा लिया और सुरक्षा के इंतजाम को देखा।

नवागत जिलाधिकारी ने ग्रहण किया कार्यभार

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना तथा पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करना सर्वोच्च प्राथमिकता नवागत जिलाधिकारी मधुसूदन ने बुधवार कोकोषागार कलेक्ट्रेट पहुँचकर जिलाधिकारी कौशाम्बी के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। नवागत जिलाधिकारी ने वार्ता करते हुए कहा कि शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना तथा पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने के साथ ही जनसमस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा है कि निर्माण कार्यों को समयान्तर्गत पूर्ण कराने का प्रयास रहेंगा। लक्ष्य के सापेक्ष पौधारोपण के साथ ही पौधो के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जायेंगा। विद्यालयों में निपुण भारत को पूर्णतः क्रियान्वित कराने का प्रयास रहेंगा।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अरूण कुमार गोंड एवं प्रबुद्ध सिंह,अपर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार वर्मा तथा उप जिलाधिकारी आकाश सिंह उपस्थित रहें नवागत जिलाधिकारी 2015 बैच के आई0ए0एस0 अधिकारी है। गृह जनपद बेलगाम (कर्नाटक) है। वे ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट अयोध्या, मुख्य विकास अधिकारी सुल्तानपुर एवं वाराणसी, उपाध्याक्ष मुरादाबाद विकास प्राधिकरण तथा अपर राज्य परियोजना निदेशक सर्व शिक्षा अभियान के पद पर कार्यरत रहे है।

जल्द ही मंझनपुर बस डिपो का सुचारू रूप से संचालन शुरू न हुआ तो होगा अनश्चित कालीन धरना : अजय सोनी

मंझनपुर रोडवेज बस डिपो के सुचारू रूप से संचालन को लेकर अपर क्षेत्रीय प्रबंधक से मिलें सकिपा कार्यकर्ता

कौशाम्बी। मंझनपुर रोडवेज बस डिपो के सुचारू रूप से संचालन को लेकर बुधवार को समर्थ किसान पार्टी के कार्यकताओं ने अपर क्षेत्रीय प्रबंधक (रोडवेज) हरिओम श्रीवास्तव से भेंट कर वार्ता की। वार्ता के क्रम में पार्टी कार्यकताओं ने मंझनपुर बस डिपो की समुचित व्यवस्था, समुचित संचालन, रोडवेज कार्यशाला के संचालन और मंझनपुर बस डिपो से नियमित 50 रोडवेज बस चलाए जाने जैसी मांगो को लेकर चर्चा की। बुधवार को समर्थ किसान पार्टी के कई कार्यकर्ता पार्टी नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी की अगुवाई में अपर क्षेत्रीय प्रबंधक (रोडवेज) हरिओम श्रीवास्तव से मंझनपुर बस डिपो स्थित उनके कार्यालय में भेंटकर वार्ता की। वार्ता के क्रम में अजय सोनी ने मंझनपुर बस डिपो में व्याप्त समस्याओं का मुद्दा उठाया। अजय सोनी का कहना था कि सिर्फ नाममात्र के लिए मंझनपुर बस डिपो संचालित है। व्यवस्था के नाम पर यहां कुछ नही है। न तो अब तक यहां की कार्यशाला शुरू हुई न ही पूर्व घोषित 50 बसों का संचालन शुरू हुआ। इतना ही नहीं बल्कि स्टॉफ के नाम पर महज तीन बाबुओं की विभाग ने नियुक्ति की है बाकी का सारा कार्य प्रयागराज से संचालित होता है। न यहां विभागीय अधिकारी नियमित बैठते हैं और न ही संबंधित कर्मचारी और अन्य स्टाफ की की यहां नियुक्ति हुई। आगे कहा कि प्रयागराज से संचालित महज कुछ बसों का यहां ठहराव सिर्फ खानापूर्ति के लिए होता है जिसके चलते यह बस डिपो पूरी तरह उपेक्षा का शिकार है और महज शो पीस साबित ही रहा है। आगे कहा कि भारी अव्यवस्था के चलते यात्रियों को भी यहां दिक्कतों का सामना करना पड़ता है जिससे लोग परेशान होते हैं। लोगों को गैर जनपदों एवं गैर शहरों के आवागमन के लिए यहां से कोई बस संचालित नही है। इस संबंध में अजय सोनी ने अपर क्षेत्रीय प्रबंधक से दो टूक कहा कि जल्द ही मंझनपुर डिपो का सुचारू संचालन न हुआ और यहां से स्थाई रूप से नई बसों का संचालन न शुरू किया गया तो समर्थ किसान पार्टी अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन करेगी जिसकी समस्त जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की होगी। इस मौके पर अजय सोनी के साथ राकेश विश्वकर्मा, फूलचंद्र लोधी, दीपक गौतम, मुन्ना पटेल, जुम्मन अली आदि मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव के पहले अगर वार्डो में शुरू हो जाता विकास कार्य तो शायद भाजपा को नही गवानी पड़ती सीट

कौशाम्बी। नगर पालिका मंझनपुर के वार्ड विकास कार्यो की बाट जोह रहे है। नगर पालिका के विभिन्न वार्डो में नाली इंटर लाकिगं नाला आदि विकास कार्यो का काम नहीं कराया गया है। जिसकी वजह से नगर पालिका के वार्डो के सभासदे से लेकर जनता में आक्रोश है। योगी सरकार में नगर पालिका मंझनपुर में चार माह से एक भी विकास कार्य नहीं हुआ है। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना के पहले करोड़ो रूपया का टेंडर निकाला गया था। ठेकेदारों द्वारा टेंडर डाला गया। नगर पालिका की ईओ प्रतिभा सिंह ने टेंडर नहीं खोला, ऐसा आरोप ठेकेदारों द्वारा लगाया जा रहा है। लोकसभा चुनाव के पहले अगर वार्डो में विकास कार्य शुरू हो जाता तो शायद भारतीय जनता पार्टी को लोकसभा की सीट गवानी नहीं पड़ती। नगर पालिका के विभिन्न वार्डो में पानी की समस्या, जल निकासी की समस्याओ को लेकर लोग परेशान है। लोगों का कहना है, कि बरसात शुरू हो गई है। जगह-जगह पर गंदा पानी भरा हुआ है। अगर इसी प्रकार से नगर पालिका के वार्डो में जल निकासी की व्यवस्था नहीं हुई, तो लोग महामारी का शिकार हो जायेगे। नगर पालिका में जिस प्रकार से टेंडर नहीं किया जा रहा है, और विकास कार्य नहीं हो पा रहे है, इससे योगी सरकार की छवि धूमिल हो रही है। वही ठेकेदारों का आरोप है, कि जो टेंडर डाला गया है, उसमें ठेकेदारों का एफडी से लेकर अन्य खर्चो में काफी पैसा लगा हुआ है, चार माह से उनका पैसा फसा हुआ है, अगर इसी प्रकार से चलता रहा तो ठेकेदार नगर पालिका में टेंडर नहीं डालेगे। बहरहाल ईओ पर जिस प्रकार से आरोप लगाया जा रहा है, क्या ईओ योगी सरकार में विकास नहीं करना चाहती है, क्या इससे योगी सरकार को जनता नहीं कोसेगी। अगर ऐसा ही चलता रहा तो कौशाम्बी में भारतीय जनता पार्टी को जनता कोषने पर मजबूर होगी। मामले को लेकर अगर शासन स्तर पर ईओ की शिकायत हुई, तो ईओ के खिलाफ काररवाई होना तय माना जा रहा है। वही ईओ पर लगाये जा रहे आरोपो को लेकर बात करने का प्रयास किया गया लेकिन बात नहीं हो पाई। ईओ को लेकर नवागत जिलाधिकारी मधुसूदन हूल्गी से बात किया गया तो उनका कहना है, कि अगर नगर पालिका में विकास कार्य नहीं कराया जा रहा है, ईओ द्वारा टेंडर क्यों नहीं खोला जा रहा है, तो इसकी सही जांच कराया जायेगा, और दोषी पाये जाने पर काररवाई किया जायेगा।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत उद्योग स्थापित करने के लिए इच्छुक व्यक्ति करें आवेदन

कौशाम्बी। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के अन्तर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में उद्योग स्थापित करने के लिए इच्छुक व्यक्तियों (जिनकी आयु 18 वर्ष से कम न हो) से आनलाइन आवेदन आमंत्रित है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत विनिर्माण उद्योग के लिए अधिकतम 50 लाख रुपए तथा सेवा उद्योग के लिए प्रोजेक्ट कास्ट 20 लाख तक का आवेदन कर सकतें हैं। ग्रामीण क्षेत्र के अनु0जाति, अनु0जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, भूतपूर्व सैनिक एवं महिला लाभार्थियों को स्वीकृत ऋण पर 35 प्रतिशत अनुदान व सामान्य वर्ग के लिए 25 प्रतिशत अनुदान है। शहरी क्षेत्र में आरक्षित वर्ग को 25 प्रतिशत अनुदान व सामान्य वर्ग को 15 प्रतिशत अनुदान अनुमन्य है। आनलाइन आवेदन करते समय उद्यमी का फोटो, आधार कार्ड, पैनकार्ड, जाति प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, प्रधान द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र, (ग्रामीण क्षेत्र) निवास प्रमाणपत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट आदि आवष्यक हैं। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए जिला ग्रामोद्योग अधिकारी कार्यालय विकास भवन कक्ष सं0-44 मंझनपुर से सम्पर्क कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजनान्तर्गत करें आवेदन

कौशाम्बी उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजनान्तर्गत शहरों में पलायन को रोकने के लिए शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए जनपद को 12 इकाईयों का लक्ष्य धनराशि रू0-60 लाख व 240 रोजगार प्राप्त हुआ है। यह जानकारी जिला ग्रामोद्योग अधिकारी चन्द्र शेखर वर्मा ने देते हुए बताया कि जनपदवासी अपना स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए बेवसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकतें हैं। योजना विनिर्माण/सेवा क्षेत्र के लिये अनुमन्य है। योजनान्तर्गत प्रोजेक्ट कास्ट सीमा अधिकतम रू0-10 लाख है। ग्रामीण क्षेत्र में उद्योग स्थापित करने के लिए इच्छुक महिला/पुरूष की उम्र 18 से 50 वर्ष तक होनी चाहिए। परियोजना लागत के सापेक्ष बैंक द्वारा वितरित किये गये टर्म लोन पर सामान्य वर्ग को 4 प्रतिशत ब्याज स्वयं वहन करना पड़ेगा और आरक्षित वर्ग को पूंजीगत ऋण पर ब्याज विभाग द्वारा देय होगा। योजना से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त करने के लिए कार्यालय जिला ग्रामोद्योग अधिकारी कक्ष सं0-44, विकास भवन, मंझनपुर में सम्पर्क कर सकतें हैं।

स्वास्थ्य विभाग की मिलीभगत से धड़ल्ले से चल रहे नेवादा ब्लॉक क्षेत्र में बिना रजिस्ट्रेशन के अस्पताल

कौशांबी। नेवादा ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत करीब एक दर्जन से अधिक स्थानो पर बिना रजिस्ट्रेशन के झोलाछाप डॉक्टर कर रहे हैं धड़ल्ले से इलाज अवैध रूप से चलाए जा रहे अस्पताल पर स्वास्थ्य विभाग क्यों है मेहरबान स्वास्थ्य विभाग का शिकंजा नहीं कसने से मानको को ताक पर रख कर धड़ल्ले से चलायी जा रही है अवैध अस्पताल,अस्पताल संचालकों के ऊपर कार्रवाई न होने से अस्पताल संचालकों के हौसले है बुलंद बिना रजिस्ट्रेशन के चलाये जा रहे अस्पताल पर स्वास्थ्य विभाग के कार्यशैली पर उठ रहे तरह-तरह के सवाल आखिर बिना रजिस्ट्रेशन के चल रही अस्पतालों पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी क्यों ध्यान नहीं देते।

संपादक की कलम से

बिरला के अध्यक्ष बनने से शुरूआत सही दिशा में

ओम बिरला को दूसरी बार ध्वनिमत से 18वीं लोकसभा का नया स्पीकर चुना गया। जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेता विपक्ष राहुल गांधी उन्हें आसन तक लेकर पहुंचे। ध्वनिमत पर विपक्ष ने डिविजन की मांग नहीं की। ओम बिरला के नाम पर विपक्ष का विरोध न करना मोदी सरकार के लिए भी किसी आश्चर्य से कम नहीं रहा। उम्मीद यही की जा रही थी कि विपक्ष वोटिंग की मांग करेगा और फिर पूरी प्रक्रिया के तहत मतदान होगा। लेकिन आज बिरला को नये लोकसभा के अध्यक्ष चुने जाने की सम्पूर्ण प्रक्रिया जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की खूबसूरती की छटा बिखेर रही थी, वहीं ऐसी संभावनाओं को बल दिया कि अठारहवीं लोकसभा के सभी सत्र एक नया इतिहास का सृजन करते हुए उम्मीदभरे होंगे। कोटा से तीसरी बार के सांसद ओम बिरला ने दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनकर इतिहास रच दिया है। वे लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनने वाले तीसरे शख्स हैं। उनसे पहले बलराम जाखड़ 9 सालों तक स्पीकर रहे थे। ओम बिरला का चुना जाना चौंकाता नहीं है, बल्कि जो बात थोड़ी हैरान करने वाली थी वह है इस पद के लिए चुनाव की नौबत आ जाना। वैसे तो लोकतंत्र में चुनाव किसी भी पद के लिए हो, उसे बुरा मानने का कोई कारण नहीं है। मगर लोकसभा अध्यक्ष का पद ऐसा है जिसमें आम राय को हमेशा तवज्जो दी जाती रही है। वजह यह है कि सदन के सुचारू संचालन के लिए अध्यक्ष को दोनों पक्षों का सहयोग चाहिए होता है। ऐसे में अगर इस पद पर बैठे व्यक्ति का चयन दोनों पक्ष उसमें अपना विश्वास घोषित करते हुए करें तो पद की शोभा कई गुना बढ़ जाती है।

स्वतंत्र भारत में लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए केवल तीन बार 1952, 1967 और 1976 में चुनाव हुए। वर्ष 1952 में कांग्रेस सदस्य जी. वी. मावलंकर को लोकसभा स्पीकर के रूप में चुना गया था। लोकसभा अध्यक्ष पद पर चयन को लेकर सरकार और विपक्षी दलों के बीच सहमति नहीं बन पाई, जिस वजह से चुनाव की नौबत आ गई। केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार के गठन के बाद सरकार और विपक्ष के बीच यह पहला शक्ति प्रदर्शन था। इसलिए भाजपा के रणनीतिकार अपने उम्मीदवार ओम बिरला को ज्यादा से ज्यादा सांसदों के समर्थन के साथ बड़ी जीत दिलवाने के मिशन में जुट गई थे। इंडिया गठबंधन की पूर्व रात्री को हुई बैठक में ही नेताओं का कहना था कि इंडिया गठबंधन के पास संख्या बल नहीं है। इसलिये बिना मतदान के ही ध्वनिमत से बिरला के अध्यक्ष चुने जाने की कार्रवाई को निर्बाध होने दिया एवं संसदीय पटल पर खुशी का माहौल दिखाई दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार इस आसन पर विराजमान हो रहे हैं। अमृतकाल के इस महत्वपूर्ण कालखंड में दूसरी बार इस पद पर विराजमान होना बहुत बड़ा दायित्व आपको मिला है, हम सबका विश्वास है कि आप आने वाले 5 साल हम सबका मार्गदर्शन करेंगे। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी बधाई देते हुए संविधान रक्षा की बात दोहरायी। सदन में तीसरे सबसे बड़े दल के नेता अखिलेश यादव ने कहा कि जिस पद पर आप बैठे हैं, इससे बहुत गौरवशाली परंपरा जुड़ी है। इसलिए सबकुछ बिना भेदभाव आगे बढ़ेगा। निष्पक्षता इस महान पद की महान जिम्मेदारी है। आप लोकतंत्र के मुख्य न्यायाधीश की तरह बैठे हैं।

हर राष्ट्र का सर्वोच्च मंच उस राष्ट्र की पार्लियामेंट होती है, जो पूरे राष्ट्र के लोगों द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों द्वारा संचालित होती है, राष्ट्र-संचालन की रीति-नीति और नियम तय करती है, उनकी आवाज बनती है व उनके हित में कार्य करती है। राष्ट्र के व्यापक हितों की सुरक्षा करती है। भारत का लोकतंत्र न केवल सशक्त है बल्कि अनूठा एवं प्रेरक है, उसका सर्वोच्च मंच लोकसभा है। सत्रहवीं लोकसभा के सत्रों की कार्यवाही बिरला ने नियोजित एवं सुचारू ढंग से संचालित कर एक स्वस्थ परम्परा का सूत्रपात किया था, उनके अनुभव एवं क्षमताएं सदन को नई दृष्टि देने के लिए तत्पर रहे हैं। उनके सदन संचालन की दक्षता एवं कौशल को ताजी हवा के झोंकों का अहसास देश का सर्वोच्च लोकतांत्रिक सदन लोकसभा महसूस करता रहा है। वे लोकसभा को कुशलता से संचालित करने में न केवल खरे उतरे हैं बल्कि नये प्रतिमान स्थापित करते हुए सदन की गरिमा एवं गौरव की अभिवृद्धि की है। अठारहवीं लोकसभा के अध्यक्ष बनकर निश्चित ही वे सदन की कार्यवाही को अनुशासित भी कर सकेंगे, अनुप्रेरित भी कर सकेंगे और पक्ष-विपक्ष के बीच संतुलन रखते हुए देशहित में महत्वपूर्ण निर्णय लेने का मार्ग प्रशस्त कर सकेंगे, ऐसा विश्वास है। निश्चित ही निष्पक्ष होकर अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए सदन की गरिमा को नए स्तर तक ले जाने में वे सक्षम साबित होंगे। लोकसभा कुछ खम्भों पर टिकी एक सुन्दर ईमारत ही नहीं है, यह एक अरब चालीस करोड़ जनता के दिलों की धड़कन है। उसके एक-एक मिनट का सदुपयोग हो। वहां शोर, नारे और अव्यवहार न हो, अवरोध पैदा नहीं हो। ऐसा होना निर्धनजन और देश के लिए हर दृष्टि से महंगा सिद्ध होता है। यदि हमारे प्रतिनिधि ईमानदारी से नहीं सोचेंगे और आचरण नहीं करेंगे तो इस राष्ट्र की आम जनता सही और गलत, नैतिक और अनैतिक के बीच अन्तर करना ही छोड़ देगी। निश्चित ही संतुलन, निष्पक्षता, शालीनता एवं कौशल के बल पर बिरला नये लोकसभा के सदन की कार्रवाई को एक नई ऊंचाई प्रदान करेंगे और नयी उम्मीदों को पंख लगायेंगे।

चंद्रमा की दूसरी ओर से नमूने लेकर लौटा चीनी यान

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर गया चीन का अंतरिक्ष यान लौट आया है. पहली बार दक्षिणी ध्रुव से कोई यान नमूने लेकर लौटा है.

चीन के चांग'ई-6 अंतरिक्ष यान ने विज्ञान जगत में एक नया इतिहास रच दिया है. चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव से यह यान मंगलवार को पृथ्वी पर लौट आया. अपने साथ वह चांद के उस तरफ की मिट्टी और चट्टानें लेकर आया है, जो हमें पृथ्वी से नजर नहीं आता

यह पहली बार है जब चंद्रमा की दूसरी तरफ के नमूने पृथ्वी पर लाए गए हैं. मंगलवार को चांग'ई-6 उत्तरी चीन के इनर-मंगोलियन इलाके में उतरा. इसके बाद चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन के निदेशक जांग केजियान ने टीवी पर प्रसारित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अभियान पूरी तरह सफल रहा.

केजियान ने कहा, "मैं अब घोषणा करता हूं कि चांग'ई-6 लूनर एक्सप्लोरेशन मिशन ने पूरी सफलता हासिल की है.ह्व चीनी वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि चांग'ई-6 जो नमूने लेकर आया है उनमें अन्य चीजों के साथ-साथ 25 लाख साल पुरानी ज्वालामुखीय चट्टानें भी होंगी, जो चंद्रमा के दो तरफ के भौगोलिक फर्क को समझने में मदद करेंगी.

चांद के दूसरे हिस्से पर सफलता

पृथ्वी से हम चंद्रमा के एक ही तरफ का हिस्सा देख पाते हैं. दूसरा हिस्सा हमेशा परे रहता है. पिछले कुछ समय से वैज्ञानिक उस हिस्से को जानने-समझने की कोशिश कर रहे हैं. पिछले साल भारत ने भी वहां चंद्रयान भेजा था. भारत चंद्रमा के उस हिस्से पर यान उतारने वाला पहला देश बना था. उसके बाद जापान और अमेरिका के यान भी उस हिस्से पर उतर चुके हैं.

चांद के उस हिस्से में बड़ी पहाड़ियां और उल्का पिंडों के गिरने से बने बड़े-बड़े गड्ढे हैं. जो हिस्सा पृथ्वी से नजर आता है, वह तुलनात्मक रूप से सपाट है.

चांद से पहले भी मिट्टी और चट्टानों जैसे नमूने लाए जा चुके हैं. अमेरिका और पूर्व सोवियत संघ के यान ऐसा कर चुके हैं. लेकिन वे नमूने इस तरफ से लाए गए थे, जो हमें नजर आता है. दूसरी तरफ से नमूने लाने वाला चीन पहला देश है.

चंद्रमा पर पहुंचने को लेकर पिछले कुछ सालों में होड़ लगातार बढ़ी है. खासकर चीन और अमेरिका के वैज्ञानिकों के बीच प्रतिद्वन्द्विता जारी है. इसके अलावा, रूस, जापान और भारत भी इस दौड़ के अहम खिलाड़ी हैं।

कब सुधरेगी भारत की डाक व्यवस्था?

अशोक मधुप
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

आजादी के 75 साल बाद भी भारत की डाक व्यवस्था में सुधार न होकर पतन ही हुआ। भारत में डाक विभाग 250 साल से पुराना है। आज गांव -गांव तक इसकी ब्रांच हैं। पूरे भारत में 155531 डाकघर हैं। इतना बडा नेटवर्क होने के बाद भी यह सरकारी विभाग प्राइवेट कोरियर कंपनियों से प्रतिस्पर्धा में पिछड़ती जा रही है।

भारतीय डाक की सेवा में सुधार हो, इसमें न विभागीय अधिकारियों की रूचि है, न सरकार की। इसी का परिणाम है कि इसका अपने व्यवसाय से एकाधिकार टूटता जा रहा है। प्राइवेट कंपनी इसके व्यवसाय को कब्जाती जा रही हैं।

भारत में डाक सेवाओं की स्थापना 1774 में हुई। पहली बार भारतीय डाकघर को राष्ट्रीय महत्व के एक अलग संगठन के रूप में स्वीकार किया गया और उसे एक अक्टूबर 1854 को डाकघर महानिदेशक के सीधे नियंत्रण में सौंप दिया गया। भारतीय डाक व्यवस्था कई व्यवस्थाओं को जोड़कर बनी है। 650 से ज्यादा रजवाड़ों की डाक प्रणालियों, जिला डाक प्रणाली और जमींदारी डाक व्यवस्था को प्रमुख ब्रिटिश डाक व्यवस्था में शामिल किया गया था। इन टुकड़ों को इतनी खूबसूरती से जोड़ा गया है कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह एक संपूर्ण अखंडित संगठन है।

1766 में लार्ड क्लाइव ने देश में पहली डाक व्यवस्था स्थापित की थी। इसके बाद 1774 में वारेन हेसटिंग्ज ने इस व्यवस्था को और मजबूत किया। उन्होंने एक महा डाकपाल के अधीन कलकत्ता प्रधान डाकघर स्थापित किया। मद्रास और बंबई प्रेसीडेंसी में क्रमशः 1786 और 1793 में डाक व्यवस्था शुरू की गई। 1837 में डाक अधिनियम लागू किया गया ताकि तीनों प्रेसीडेन्सी में सभी डाक संगठनों को आपस में मिलाकर देशस्तर पर एक अखिल भारतीय डाक सेवा बनाई जा सके। 1854 में डाकघर अधिनियम के जरिए एक अक्टूबर 1854 को मौजूदा प्रशासनिक आधार पर भारतीय डाक घर को पूरी तरह सुधारा गया।

1854 में डाक और तार दोनों ही विभाग अस्तित्व में आए। शुरू से ही दोनों विभाग जन कल्याण को ध्यान में रख कर चलाए गए। लाभ कमाना उद्देश्य नहीं था। 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध्द में सरकार ने फैसला किया कि विभाग को अपने खर्चे निकाल लेने चाहिए। उतना ही काफी होगा। 20वीं सदी में भी यही क्रम बना रहा। डाकघर और तार विभाग के क्रियाकलापों में एक साथ विकास होता रहा। 1914 के प्रथम विश्व युध्द की शुरूआत में दोनों विभागों को मिला दिया गया।

भारतीय राज्यों के वित्तीय और राजनीतिक एकीकरण के चलते यह आवश्यक और अपरिहार्य हो गया कि भारत सरकार भारतीय राज्यों की डाक व्यवस्था को एक विस्तृत डाक व्यवस्था के अधीन लाए। ऐसे कई राज्य थे जिनके अपने जिला और स्वतंत्र डाक संगठन थे और उनके अपने डाक टिकट चलते थे। इन राज्यों के लैटर बाक्स हरे रंग में रंगे जाते थे ताकि वे भारतीय डाकघरों के लाल लैटर बाक्सों से अलग नजर आएं।

1908 में भारत के 652 देशी राज्यों में से 635 राज्यों ने भारतीय डाक घर में शामिल होना स्वीकार किया। केवल 15 राज्य बाहर रहे, जिनमें हैदराबाद, ग्वालियर, जयपुर और ट्रावनकोर प्रमुख हैं।

1925 में डाक और तार विभाग का बड़े पैमाने पर पुनर्गठन किया गया। विभाग की वित्तीय स्थिति का जायजा लेने के लिए उसके खातों को दोबारा व्यवस्थित किया गया। उद्देश्य यह पता लगाना था कि विभाग करदाताओं पर कितना बोझ डाल रहा है या सरकार का राजस्व कितना बढा रहा है और इस दिशा में विभाग की चारों शाखाएं यानी डाक, तार, टेलीफोन और बेतार कितनी भूमिका निभा रहे हैं।

भारतीय डाक सेवा का क्षेत्र चिट्ठियां बांटने और संचार का कारगर साधन बने रहने तक ही सीमित नहीं है। शुरूआती दिनों में डाकघर विभाग, डाक बंगलों और सरायों का रख रखाव भी करता था। 1830 से लगभग तीस सालों से भी ज्यादा समय तक यह विभाग यात्रियों के लिए सड़क यात्रा को भी सुविधाजनक बनाते थे। कोई भी यात्री एक निश्चित राशि के अग्रिम पर पालकी, नाव, घोड़े, घोड़ागाड़ी और डाक ले जाने वाली गाड़ी में अपनी जगह आरक्षित करवा सकता था। वह रास्ते में पड़ने वाली डाक चौकियों में आराम भी कर सकता था। यही डाक चौकियां बाद में डाक बंगला कहलाईं। 19वीं सदी के आखिर में प्लेग की महामारी फैलने के दौरान, डाकघरों को कुनैन की गोलियों के पैकेट बेचने का काम भी सौंपा गया था।

भारत संयुक्त परिवारों और छोटी आमदनी वाले लोगों का देश है, जहां लोगों को छोटी रकमों की सूरत में लाखों रूपए भेजने पड़ते हैं। रूपयों के लेन-देन का काम जिला मुख्यालयों में स्थित 321 सरकारी खजानों द्वारा किया जाता था। 1880 में मनी आर्डर के द्वारा छोटी रकमें भेजने का काम 5090 डाकघर वाली विस्तृत डाक एजेंसी को दिया गया और इस तरह जिला मुख्यालयों तक जाने और प्राप्तकर्ता द्वारा पहचान साबित करने की कठिनाइयां कम हो गईं। 1884 में उच्च पदों पर आसीन कर्मचारियों को छोड़कर देसी डाक कर्मचारियों के लिए डाक जीवन बीमा योजना शुरू की गई, क्योंकि भारत में काम करने वाली बीमा कंपनियां आम भारतीय निवासियों का बीमा करने से कतराती थीं।

उन कठिन दिनों में देश के साथ-साथ डाक विभाग भी इसके असर से अछूता नहीं रहा। 1857 के बाद विभाग ने आगजनी और लूटमार का दौर देखा। एक उपडाकपाल और एक ओवरसियर की हत्या कर दी गई, एक रनर को घायल कर दिया गया और बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तर पश्चिमी सीमांत राज्यों के कई डाकघरों को लूट लिया गया। उत्तर पश्चिमी सीमांत राज्यों और अवध में सभी संचार लाइनों को बंद कर दिया गया था और हिंसा खत्म हो जाने के बाद भी साल भर तक कई डाकघरों को दोबारा नहीं खोला जा सका।

लगभग पांच माह तक चलने वाली 1920 की डाक हड़तालों ने देश की डाक सेवा को पूरी तरह ठप्प कर दिया था। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कई डाकघरों और लैटर बक्सों को जला दिया गया था और डाक का आना-जाना बड़ी मुश्किल से हो पाता था। इसके कारण कई सेक्टरों में डाक सेवाएं गड़बड़ा गई थीं।

पोस्ट कार्ड 1879 में चलाया गया जबकि वैल्यू पेएबल पार्सल (वीपीपी), पार्सल और बीमा पार्सल 1977 में शुरू किए गए। भारतीय पोस्टल आर्डर 1930 में शुरू हुआ। तेज डाक वितरण के लिए पोस्टल इंडेक्स नंबर (पिनकोड) 1972 में शुरू हुआ। तेजी से बदलते परिदृश्य और हालात को मद्दे नजर रखते हुए 1985 में डाक और दूरसंचार विभाग को अलग-अलग कर दिया गया। समय की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर 1986 में स्पीड पोस्ट शुरू हुई ओर 1994 में मेट्रो#राजधानी#व्यापार चैनल, ईपीएस और वीसैट के माध्यम से मनी आर्डर भेजा जाना शुरू हुआ।

पिछले कई सालों में डाक वितरण के क्षेत्र में बहुत विकास हुआ है और यह डाकिए द्वारा चिट्ठी बांटने से स्पीड पोस्ट और स्पीड पोस्ट से ई-पोस्ट के युग में पहुंच गया है। भारतीय पोस्टल आर्डर 1930 में शुरू हुआ। तेज डाक वितरण के लिए पोस्टल इंडेक्स नंबर (पिनकोड) 1972 में शुरू हुआ। तेजी से बदलते परिदृश्य और हालात को मद्दे नजर रखते हुए 1985 में डाक और दूरसंचार विभाग को अलग-अलग कर दिया गया। समय की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर 1986 में स्पीड पोस्ट शुरू हुई ओर 1994 में मेट्रो#राजधानी#व्यापार चैनल, ईपीएस और वीसैट के माध्यम से मनी आर्डर भेजा जाना शुरू किया गया।

डाक व्यवस्था में डाकिए का बड़ा महत्व है। पुराने जमाने में हरेक डाकिए को ढोल बजाने वाला मिलता था जो जंगली रास्तों से गुजरते समय डाकिए की सहायता करता था। रात घिरने के बाद खतरनाक रास्तों से गुजरते समय डाकिए के साथ दो मशालची और दो तीरंदाज भी चलते थे। ऐसे कई किस्से मिलते हैं जिनमें डाकिए को शेर उठा ले गया या वह उफनती नदी में डूब गया या उसे जहरीले सांप ने काट लिया या वह चटटान फिसलने या मिटटी गिरने से दब गया या चोरों ने उसकी हत्या कर दी आदि आदि।

ब्रिटिश भारत के तत्कालीन गवर्नर-जनरल वारेन हेस्टिंग्स ने आम जनता के लिए पहली डाक सेवा शुरू की। यह सेवा उन कबूतरों के लिए एक राहत के रूप में आई, जिन्हें पत्र देने में कई दिन और महीने लग जाते थे। डाक सेवाओं ने त्वरित वितरण को एक वास्तविकता बना दिया। पूरे देश में इसका नेटवर्क बना। गांव-गांव तक पोष्ट आफिस खुल गए। डाक सेवा के साथ-साथ सरकार की छोटी-छोटी बचत योजनाएं भी शुरू हुईं। सयम की मांग को देखते हुए तार और फोन सेवा पर भी डाक तार विभाग का एकाधिकार हो गया। एक की कंपनी होने के कारण प्रबंधक की परेशानी देखते हुए 1985 में दूरसंचार सेवाएं अलग कर दी गई।

समय बदला अंतरराष्ट्रीय शिपिंग डीएचएल ने 1969 में पहली अंतरराष्ट्रीय कूरियर कंपनी के रूप में एक भव्य प्रवेश किया, और कई अन्य ने इसका अनुसरण किया। इनका उद्देश्य बिना किसी देरी के सुविधाजनक वितरण सेवाएं प्रदान करना था। 2020 तक, ब्लू डार्ट भारत में अग्रणी कूरियर कंपनी बन गई। प्रौद्योगिकी की प्रगति के साथ, माल की डिलीवरी तेज और तेज हो गई है। जबकि समय के साथ कूरियर सेवाओं का उन्नयन हुआ है, लोग अभी भी आवश्यक दस्तावेज भेजने के लिए डाक सेवाओं पर भरोसा करते हैं। किंतु समय ज्यादा लेने डाक विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही और सेवा में रूचि न लेने के कारण भारतीय डाक सेवा में लोगों का रूझान कम होना शुरू हो गया। ये सही है कि डाक सेवाएं सस्ती और कूरियर सेवाएं मंहगी हैं। किंतु आज भारतीय समाज में पैसा बढ़ा है तो डाक भेजने वाले के लिए सस्ती और मंहगी में ज्यादा फर्क नही रह गया।

मीडिया ट्रायल बनाम समानान्तर अदालती व्यवस्था

नीट परीक्षा में लापरवाही के आरोपों और इलेक्ट्रानिक मीडिया के बीच एक और खबर आयी है। अपनी फटी ओएमआर सीट दिखाते हुए भावुक आरोप लगाने वाली छात्रा आयुषी पटेल की याचिका पर उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने उसे फर्जी पाया है। अदालत के सामने प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच के बाद यह पाया गया कि छात्रा ने फर्जी एप्लीकेशन नम्बर से एनटीए को मेल किया था। लखनऊ बेंच ने छात्रा के रवैये को अफसोसजनक बताते हुए याचिका को खारिज कर दिया और यह भी कहा कि एनटीए चाहे तो छात्रा के खिलाफ उपयुक्त कार्यवाही कर सकता है। इस तरह की परीक्षाओं में करोड़ों लोगों का भविष्य जुड़ा रहता है। राष्ट्रहित में यह जरूरी है कि उनके संचालन में पूरी शुचिता बरती जाए, किन्तु अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रानिक मीडिया जिस तरह से समानान्तर अदालती व्यवस्था खड़ी कर देती है, उससे ऐसे सामाजिक दबाव का सृजन होता है कि वह न्याय की प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाता है। बिना सुबूत और अदालती निर्णय के ही समाज की निगाह में लोगों को दोषी ठहरा देता है। कुछ समय बाद चाहे भले ही अदालत उन्हें निर्दोष ठहरा दे, किन्तु उनकी जो प्रतिष्ठा खो चुकी होती है, वह कभी भी वापस नहीं आती।

बीते वर्षों में रिया-सुशांत, आरूषि-तलवार की हत्या और दिल्ली के जसलीन कौर-सर्वजीत कौर के मामले ऐसे कई उदाहरणों में से कुछ गिनाए जा सकते हैं, जब इलेक्ट्रानिक मीडिया ने अपनी टीआरपी के लिए लोगों को अपूर्णीय क्षति पहुंचायी है। रिया-सुशान्त के मामले में इलेक्ट्रानिक मीडिया ने रिया को कहीं का नहीं छोड़ा। खुद ही सुबूत इकट्ठा करके उसके ऊपर जादू-टोना से लेकर कई काल्पनिक आरोप लगाए। अदालत ने उन्हें नाकाफी और अविश्वसनीय माना, किन्तु रिया उससे अब तक नहीं उबर पायी और लांछन उनके साथ सदैव के लिए चस्पा हो गया। इसी तरह आरूषि हत्याकांड में इलेक्ट्रानिक मीडिया ने उसके मां-बाप को जीते जी मार डाला। बगैर किसी पुख्ता सुबूत और अदालती निर्णय के आरूषि की मौत के बाद उसके चरित्र पर जिस तरह छींटाकशी की गयी, वह किसी भी सभ्य समाज के लिए कलंक है। राजेश और नुपूर तलवार मीडिया के सामने गिड़गिड़ाते रहे कि उन्हें परेशान न किया जाए, किन्तु उनकी किसी ने एक नहीं सुनी और अपनी टीआरपी के लिए नित नई कहानियां तैयार करते रहे। नौ साल की यन्त्रणादायक कानूनी लड़ाई के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उन्हें बरी कर दिया, किन्तु इलेक्ट्रानिक मीडिया ने उन्हें समाज में रहने लायक नहीं छोड़ा।

नीट परीक्षा से जुड़े मामले सर्वोच्च अदालत के सामने हैं। अदालत सभी पहलुओं पर गौर कर रही है, किन्तु इलेक्ट्रानिक मीडिया ने समान्तर अदालती व्यवस्था खड़ी कर ली है। उसमें उनके अभियोजक और गवाह हैं। निर्णय लेने की जिम्मेदारी उन्होंने खुद ले ली है। जानकारी की कमी या टीआरपी के दबाव में उन लोगों को भी दोषी ठहराया जा रहा है, जो केवल औपचारिक प्रमुख की भूमिका में है। मसलन एनटीए के अध्यक्ष का पद विश्वविद्यालयों के चांसलर की तरह होता है। नीति निर्माण या क्रियान्वयन में उसकी कोई भूमिका नहीं होती, किन्तु मीडिया बगैर सुबूत के ही उन्हें मुजरिम की तरह पेश कर रहा है। यह जब किसी विषय पर अदालत विचार कर रही हो तो इस तरह का मीडिया ट्रायल न्यायिक कार्यों में दखलंदाजी और अदालत की अवमानना है। न्यायशास्त्र का आधारभूत सिद्धांत यह है कि किसी व्यक्ति को तब तक निर्दोष माना जाएगा जब तक उसे अदालत द्वारा दोषी साबित न कर दिया जाए, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के ऊपर यह नियम लागू नही होता। कई बार तो वह इस तरह की व्यूहरचना तैयार कर लेता है कि अभियुक्त के खिलाफ एक सामाजिक माहौल तैयार हो जाता है और मुकदमे के अदालत में जाने से पहले ही अभियुक्त दोषी ठहरा दिया जाता है। विधि आयोग ने 2006 में जारी अपनी 200 पेज की रिपोर्ट में मीडिया ट्रायल अभिव्यक्ति की आजादी तथा निष्पक्ष न्याय के अन्तर्सम्बन्धों पर विस्तार से चर्चा की थी। आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष न्यायमूर्ति एम जगन्नाथराव ने मत व्यक्त किया था कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण समाचारों के प्रसारण का स्वरूप बदला और उसका असर कई बार अभियुक्तों, गवाहों और यहां तक कि न्यायाधीशों पर पड़ता है। किसी भी व्यक्ति को अदालती फैसले से पहले फैसला सुनाने की इजाजत नहीं होनी चाहिए। विधि आयोग ने इस बात पर चिंता व्यक्त की थी कि इस तरह के मीडिया ट्रायल से निष्पक्ष न्याय पाने के अधिकार में गैरवाजिब दखलंदाजी हो रही है, जो न्यायालय अवमानना कानून 1971 की मंशा के विरुद्ध है।

संसद चलाना सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी

अरविंद जयतिलक
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए के उम्मीदवार ओम बिरला कांग्रेस के कोडिकुन्नील सुरेश को हराकर एक बार फिर से लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुन लिए गए हैं। ध्वनिमत के जरिए ही ओम बिरला को चुन लिया गया और विपक्ष ने मत विभाजन की मांग नहीं की। देश की नई संसद में ओम बिरला का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उन्हे आसन पर आसीन कराकर सदन की परंपरा और गरिमा को चरितार्थ किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में ओम बिरला को बतौर सांसद एवं 17 वीं लोकसभा के अध्यक्ष के रुप में किए गए उनके कार्यों की जमकर सराहना की और कहा कि उनका अनुभव काम आएगा।

उल्लेखनीय है कि ओम बिरला को दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष चुना गया है। 17 वीं लोकसभा में बतौर अध्यक्ष उनकी भूमिका बेहद सारगर्भित रही। नवनियुक्त लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत सभी दलों के नेताओं ने भरपूर बधाई के साथ विपक्ष को बराबर मौका दिए जाने की मांग की। बहरहाल जिस तरह पहले दिन लोकसभा का माहौल सहज दिखा है उससे उम्मीद किया जाना चाहिए कि सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ही अपनी जवाबदेही और जिम्मेदारी का भलीभांति निर्वहन करेंगे। समझना होगा कि संसद को चलाना सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी होती है। बेशक विपक्ष का उत्तरदायित्व है कि वह जनता व जनहित से जुड़े मुद्दे पर सरकार से सवाल पूछे। सरकार की कड़ी घेराबंदी करे। लेकिन यह तभी संभव होगा जब सदन की कार्यवाही ठीक तरीके से चलेगी। जब सदन ही हंगामे की भेंट चढ़ जाएगा तो फिर विपक्षी दलों की आवाज को कौन सुनेगा? इस तथ्य से कोई भी असहमत नहीं कि देश विविधताओं से भरा हुआ है। राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ क्षेत्रीय भावनाओं और मुद्दों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। उस पर विमर्श को आगे बढ़ाना और जनआकांक्षाओं के निष्कर्ष तक ले जाना सत्ता और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी होती है। लेकिन जनआकांक्षाओं की पूर्ति तब होगी जब सदन व्यवस्थित रुप से चलेगा। जब विपक्ष के तार्किक सवालों का सत्ता पक्ष द्वारा तार्किकता से जवाब दिया जाएगा। लेकिन 17 वीं लोकसभा में ऐसा होता नहीं दिखा। संसद का ज्यादतर समय हंगामे की भेंट ही चढता. रहा। सदन के सदस्यों को याद रखना होगा कि 13 मई 1952 को जब संसद की पहली बैठक संपन्न हुई तब देश के पहले राष्ट्रपति डा0 राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि संसद जनभावनाओं की अपेक्षा की सर्वोच्च पंचायत है। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु ने संसदीय लोकतंत्र को जवाबदेही से जोड़ते हुए संदेश दिया कि भारत की सेवा का अर्थ लाखों-करोड़ों पीड़ित लोगों की सेवा करना है। लोकसभा के पहले अध्यक्ष गणेश वासुदेव मावलंकर ने जनता और जनप्रतिनिधियों को आगाह करते हुए कहा था कि सच्चे लोकतंत्र के लिए व्यक्ति को केवल संविधान के उपबंधों अथवा विधानमंडल में कार्य संचालन हेतु बनाए गए नियमों और विनियमों के अनुपालन तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि विधानमंडल के सदस्यों में लोकतंत्र की सच्ची भावना भी विकसित होनी चाहिए। सवाल लाजिमी है कि क्या मौजुदा निर्वाचित जनप्रतिनिधि डा0 राजेंद्र प्रसाद, पंडित नेहरु और मावलंकर की अपेक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरेंगे। राजनीतिक दलों विशेषकर जनता के प्रतिनिधियों को इन सवालों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। दो राय नहीं कि इन दशकों में संसद ने ढेर सारे उतार-चढ़ाव देखे और अपनी सर्वोच्चता बनाए रखी। देश भी संसदीय लोकतंत्र पर अपना विश्वास बनाए हुए है। आज भी लोगों की निष्ठा व आस्था संसद के प्रति बनी हुई है। बहुलतावादी भारतीय समाज में व्याप्त असमानताओं के बावजूद भी संसद में समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व बढ़ा है और आवाज मुखर हुई है। संसद ने इन दशकों में ढेर सारे ऐसे निर्णय लिए हैं जो सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक सरोकारों के लिए मील का पत्थर साबित हुआ है। सामाजिक मोर्चे पर संसद के कार्यों का मूल्यांकन करें तो नि:संदेह उपलब्धियां स्वागतयोग्य है। मसलन संसद में महिलाओं को आरक्षण, दहेज प्रथा और अस्पृश्यता उन्मूलन जैसी सामाजिक बुराइयों पर रोकथाम लगाकर संसद ने अपने मानवीय दृष्टिकोण को चरितार्थ किया है। भूमि सुधार और श्रम कानून के माध्यम से वह भूमिहीनों और कामगारों को आर्थिक संबल प्रदान किया है। संसद ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण का द्वारा खोला है। मनरेगा कार्यक्रम चलाकर रोजगार क्रांति की शुभारंभ की। संसद ने घरेलू हिंसा पर रोक का कानून बनाकर बच्चों और महिलाओं की रक्षा की। सूचना और शिक्षा के अधिकार कानून से समाज को लैस किया। फिर भी इस दिशा में संसद द्वारा अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। यह तभी संभव होगा जब जनता के प्रतिनिधि संसद की गरिमा का पालन करते हुए जवाबदेही का आचरण पेश करेंगे। उन्हें समझना होगा कि हजारों कानून बनने के बाद भी देश की जमीनी सूरत नहीं बदली है। संसद की भूमिका का विस्तार किया जाना जरुरी है। यह तभी संभव होगा जब देश की सर्वोच्च पंचायत में गरीबों, मजदूरों, किसानों और आधी आबादी की भागीदारी बढ़ेगी। आज संसद के स्वरुप, कार्यप्रणाली, प्राथमिकता और उसकी सोच में बदलाव की जरुरत है। देश को जवाबदेह, अनुशासित और कामकाजी संसद चाहिए। अगर देश के पहली संसद से मौजुदा संसद की तुलना करें तो पहली संसद ज्यादा प्रभावी और कामकाजी रही। पहली लोकसभा के पहले साल यानी 1952 में कुल 103 और राज्यसभा की 60 बैठकें हुई। समझा जा सकता है कि संसद कितना अनुशासित और जवाबदेह थी। तब संसद में बहस को लोकतंत्र का पवित्र कार्य समझा जाता था। आज स्थिति उलट है। आए दिन संसद स्थगित होती है और हंगामा खड़ा होता है। बहस को लेकर संसद सदस्य कितने गंभीर हैं इसी से समझा जा सकता है कि वे सार्थक बहस के बजाए एक-दूसरे की कमियां गिनाते हैं। यह स्थिति निराशाजनक है। दुखद स्थिति यह है कि संसद जिसे विशेषकर कानून बनाने वाली संस्था के रुप में जाना जाता है उसकी अभिरुचि आज कानून निर्माण के बजाए सियासी मसलों को लेकर है।

एक आंकड़े के मुताबिक पहली लोकसभा में तकरीबन 49 फीसदी समय कानून निर्माण पर खर्च होता था। आज यह दर 13 फीसदी रह गया है। यही नहीं संसद में व्यक्तिगत शालीनता और भाषा की मयार्दा भी टुट रही है। अक्सर संसद के माननीय सदस्य उपदेश बघारते हैं कि संसद सर्वोपरि है और उसके मान-सम्मान की रक्षा होनी चाहिए। नि:संदेह इस उपदेश से किसी को ऐतराज नहीं। लेकिन क्या यह सच नहीं है कि माननीयगण ही संसद की मयार्दा की धज्जियां उड़ा रहे हैं?

जनता को दिलायेंगे योजनाओं का लाभः डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। नवागंतुक जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने जिला कोषागार पहुंचकर कार्यभार ग्रहण किया। जिलाधिकारी 2015 बैच के आईएएस हैं। मूलतः कर्नाटक बैगलोर के हैं। जिलाधिकारी 2016 में असिस्टेंट कलेक्टर जौनपुर, 2017 ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गाजीपुर, 2019 में सीडीओ देवरिया व 2021 से कानपुर नगर आयुक्त रहे हैं।

बुधवार को नवागंतुक जिलाधिकारी ने कहा कि भारत सरकार/प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता को कैसे लाभ मिले, ये उनकी पहली प्राथमिकता होगी। आम जनता की समस्यायें जनसुनवाई से शासन की मंशानुसार निस्तारित कराई जायेंगी।

कोषागार का चार्ज लेते नवागंतुक डीएम।

नवागंतुक जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार, आईजीआरएस कक्ष, भूमि अध्यपति पटल, न्याय सहायक, ईआरके, आयुध सहायक, राजस्व अभिलेखागार, नजारत, कोषागार, एडीएम एफआर कार्यालय, न्यायिक कार्यालय, नमामि गंगे कार्यालय, जिला निर्वाचन कार्यालय समेत अन्य पटलों का निरीक्षण किया। राजस्व अभिलेखागार निरीक्षण दौरान कहा कि सीसीटीवी कैमरा चालू रहना चाहिए। नकल जारी होने की रेट सूची चस्पा करायें। इस मौके पर सीडीओ अमृतपाल कौर, एडीएम न्यायिक राजेश प्रसाद, नमामि गंगे वंदिता श्रीवास्तव, वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह, सभी एसडीएम व संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

छात्रा के आत्महत्या पर थानाध्यक्ष-दीवान-सिपाही निलंबित

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र में एक छात्रा के छेड़छाड़ से तंग आकर आत्महत्या करने पर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने मंगलवार देर रात जांच में दोषी मिलने पर थानाध्यक्ष, दीवान व सिपाही को निलंबित कर दिया है। ज्ञात है कि रविवार को हाईस्कूल छात्रा के आत्महत्या बाद मामले की जानकारी देने माता-पिता मऊ थाने गये थे। आरोप लगाया था कि बेटी से गांव के दो सगे भाई छेड़छाड़ करते हैं। तंग आकर बेटी ने आत्महत्या कर ली है। मऊ थाने में उनके साथ अमानवीय बर्ताव हुआ। शिकायत सुनने की जगह उन्हें पीटा गया। मामला संज्ञान में आने पर डीआईजी चित्रकूटधाम मंडल ने जांच के आदेश दिये थे। सीओ मऊ ने जांच कर आख्या दी है। थानाध्यक्ष, दीवान व सिपाही के दोषी मिलने पर एसपी ने मऊ थानाध्यक्ष अजीत कुमार पांडे, दीवान सुरेंद्र कुमार व सिपाही सौरभ को निलम्बित कर दिया है।

दहेज हत्या में पति को हुई आठ साल की सजा, आठ हजार जुर्माना भी हुआ

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट टैट्रक कोर्ट न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव ने दहेज हत्या आरोपी अखिलेश सोनकर पुत्र गम्भीर सोनकर निवासी कस्बा राजापुर को आठ वर्ष की सजा व आठ हजार रुपये के जुर्माना से दंडित किया।

बुधवार को राजापुर थानाध्यक्ष मनोज कुमार व पैरोकार आकाश कुमार ने समय से अदालत में गवाहों को पेश किया। जिला शासकीय अधिवक्ता गोपालदास की प्रभावी बहस के चलते न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव ने दहेज हत्या आरोपी अखिलेश सोनकर को आठ वर्ष की सजा व आठ हजार रुपये जुर्माना से दंडित किया।

उल्लेखनीय है कि पांच सितम्बर 2020 को पुरुषोत्तम सोनकर पुत्र भुल्ली सोनकर निवासी गडवारा थाना रैपुरा ने राजापुर थाने में रिपोर्ट लिखाई थी कि उसकी पुत्री सविता देवी के पति अखिलेश सोनकर दान-दहेज के बाद भी पुत्री को प्रताडित करता था। पुत्री की हत्या कर साक्ष्य मिटाने को शव कुआ में फेंक दिया था। पुलिस ने अखिलेश सोनकर, छोटेलाल सोनकर, राजमुनि सोनकर पुत्र गम्भीर सोनकर, भारती पत्नी छोटेलाल सोनकर पर मामला दर्ज किया था। सीओ राजापुर रामप्रकाश व सीओ सिटी रजनीश कुमार यादव ने जांचकर 11 जनवरी 2021 को आरोपी अखिलेश सोनकर को गिरफ्तार किया था। सात फरवरी को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। विवेचना से छोटे सोनकर, राजमुनि सोनकर व भारती को घटना में संलिप्त नहीं पाया था।

12460 सहायक अध्यापक विद्यालय आवंटन को आयें

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लव प्रकाश यादव ने बताया कि सचिव उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज के निर्देश पर 12460 सहायक अध्यापक भर्ती प्रक्रिया के तहत योग्य नवनियुक्त सहायक अध्यापकों के ऑनलाइन विद्यालय आवंटन 27 जून को अपरान्ह से 29 जून तक कार्यवाही करने के निर्देश मिले हैं। बुधवार को बीएसए ने बताया कि नवनियुक्त शिक्षकों को आदेश हैं कि समय सारिणी अनुसार 28 जून को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डायट शिवरामपुर में हाजिर होकर तैनाती समिति से विद्यालय आवंटन को ऑनलाइन विकल्प पेश करें। किसी भी दशा में प्रतिस्थानी नहीं आयेगा। गैरहाजिरी की दशा में आवेदन पर विचार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सभी दिव्यांग महिला व पुरुष तथा महिला 28 जून को सवेरे साढे दस बजे से अपरान्ह डेढ बजे तक व पुरुष 28 जून को अपरान्ह दो बजे से शाम पांच बजे तक हाजिर होकर आवेदन पेश करें।

पुलिस ने ई-रिक्शा लूट का एक और आरोपी दबोचा

लूटा फोन-चार देशी बम बरामद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी कार्यवाही में एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ सिटी राजकमल की देखरेख में कर्वी कोतवाल उपेन्द्र प्रताप सिंह की अगुवाई में पुलिस ने सीतापुर क्षेत्र में हुई ई-रिक्शा चालक से लूट की घटना का एक और वांछित को लूटे मोबाइल व चार देशी बम समेत गिरफ्तार किया।

ज्ञात है कि 13 फरवरी 2024 को ई-रिक्शा चालक दीपक निषाद पुत्र छोटू निषाद डिलौरा ने कोतवाली कर्वी में रिपोर्ट लिखाई थी कि रात में तीन अज्ञात लोग मारपीट कर ई-रिक्शा, मोबाइल फोन व नगदी

पुलिस गिरफ्त में लुटेरा।

लूट ले गये थे। पुलिस ने मामला दर्जकर दरोगा श्यामदेव सिंह ने विवेचना में प्रकाश में आये दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुके हैं। इनके कब्जे से लूट का ई-रिक्शा, बैटरी बरामद हुई थी। 25 जून को बनकट मोड़ से तीसरे आरोपी दीपक वाजपेई पुत्र रामनरेश राजापुर हनुमान मंदिर के कब्जे से लूटा मोबाइल फोन व चार देशी बम समेत गिरफ्तार किया। बरामद बम को मौके पर नष्ट किया। बम बरामदगी पर विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारायें बढाई। टीम में दरोगा श्यामदेव सिंह, सिपाही राहुल देव व शिवपूजन यादव शामिल रहे।

30 क्वार्टर शराब समेत एक दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण व बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में प्रभारी निरीक्षक पहाड़ी श्रीमती रीता सिंह की अगुवाई में दरोगा त्रिलोकीनाथ मिश्रा ने बुधुवा पुत्र सुबराती ओरा के कब्जे से 30 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। टीम में दरोगा त्रिलोकीनाथ मिश्रा, सिपाही आशीष कुमार व महिला सिपाही रेखा भारती शामिल रहे।

पुलिस ने दो जुआरी दबोच 8410 रुपये बरामद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी कार्यवाही में कर्वी कोतवाल उपेन्द्र प्रताप सिंह की अगुवाई में दरोगा अनिल कुमार गुप्ता ने ताश के पत्तों पर हार-जीत की बाजी लगाते जुआ खेलते दो लोगों को दबोचा है। बुधवार को कोतवाली कर्वी के दरोगा अनिल कुमार गुप्ता ने छापेमारी कर अब्दुल सलीम पुत्र अब्दुल हकीम द्वारिकापुरी व चन्द्रकान्त सोनी पुत्र द्वारिका प्रसाद सोनी बस स्टैण्ड को जुआ खेलते रंगेहाथ दबोचा। जुआरियों के कब्जे से मालफड़ से 5560 रुपये व ताश के 52 पत्ते, जामा तलाशी से 2850 रुपये बरामद किये। उन पर जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। टीम में दरोगा अनिल कुमार गुप्ता, दीवान शशि कुमार, महिला सिपाही नीतू द्विवेदी, सिपाही बहोरन सिंह, शिवपूजन यादव शामिल रहे।

बराछी में आग से मजदूर की पुत्री की धरी रह गई शादी

सभी सामान जलकर हुआ राख

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। मानिकपुर तहसील क्षेत्र के बराछी गांव में आग की चपेट में आये कई घरों में की सम्पत्ति स्वाहा हो गई। लोगों की खासी क्षति हुई है। मजदूर शिवपूजन कोरी के घर से लगी आग ने कई घरों को चपेट में ले लिया था।

ये अग्निकांड मंगलवार को दोपहर में मानिकपुर तहसील के बराछी गांव में हुआ। बताया गया कि मजदूरी करने शिवपूजन कोरी घर से बाहर गया था। अचानक घर में कहीं से आग लग गई। लोगों ने देखा तो घर

अग्निकांड से तबाह परिवार।

का काफी सामान जल चुका था। ये आग फैलकर पडोसी ननका प्रसाद कोरी व भोंडा कोरी के घर में भी लग गई। आग इतनी बेकाबू थी कि नियंत्रण करना मुश्किल हो गया था। ग्रामीणों ने किसी तरह से आग पर काबू पाया। लोगों ने बताया कि शिवपूजन कोरी की पुत्री की शादी कुछ दिन बाद होनी है। शादी का सामान जलकर राख हो गया। काफी सामान राख होने से गरीब मजदूर शिवपूजन खासा परेशान है। मजदूरी के अलावा अन्य कोई जरिया नहीं है। परिवार का भरण-पोषण मजदूरी से करता है।

दुष्कर्म में आरोपी को हुई बीस साल की सजा

माता-पिता को भी हुआ चार-चार हजार जुर्माना

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। विशेष न्यायालय पाक्सो की न्यायाधीश श्रीमती रेनू मिश्रा ने दुष्कर्म, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी व पाक्सो एक्ट आरोपी गुड्डू पुत्र किशोरी निवासी गेटापुरवा भौंरी को बीस वर्ष के कारावास व सात हजार रुपये के जुर्माना से दंडित किया। सह आरोपी को भी चार-चार हजार रुपये के जुर्माना से दंडित किया।

बुधवार को रैपुरा थाने के थानाध्यक्ष श्यामप्रताप पटेल व पैरोकार देवकुमार ने अदालत में समय से गवाहों को पेश किया। विशेष अभियोजक तेजप्रताप सिंह की प्रभावी बहस के चलते न्यायाधीश ने दुष्कर्म, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी व पाक्सो एक्ट आरोपी गुड्डू पुत्र किशोरी को बीस वर्ष की सजा व सात हजार रुपये जुर्माना से दंडित किया। सह अभियुक्त किशोरीलाल पुत्र स्व बहोरीलाल व बिसमतिया पत्नी किशोरीलाल को चार-चार हजार रुपये के जुर्माना से दंडित किया। उल्लेखनीय है कि सात जुलाई 2022 को गेटापुरवा की एक महिला ने नाबालिग पुत्री के साथ गुड्डू के दुष्कर्म में माता-पिता के सहयोग की रिपोर्ट लिखाई थी। पुलिस ने मामला दर्जकर आरोपी को जेल भेजा था। विवेचक रामवीर सिंह ने अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था।

नाला भूमि पर अवैध निर्माण रोकने के तहसीलदार ने दिये आदेश

नाले को भी नहीं छोड रहे दबंग भू-माफिया

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कर्वी ब्लाक के लोढवारा गांव में दबंग भू- माफिया सरकारी/सार्वजनिक जमीन पर अवैध ढंग से कब्जा कर निर्माण करा रहे हैं। सार्वजनिक भूमि का मामला एडीएम न्यायालय में विचाराधीन है। भू-माफिया अवैध ढंग से निर्माण कार्य में जुटे हैं।

कर्वी ब्लाक के मुख्यालय से सटे लोढवारा गांव में भू-माफियाओं के सार्वजनिक भूमि पर निर्माण

नाले पर निर्माण करते भू-माफिया।

का खुलासा बुधवार को हुआ। ग्रामीण राहुल यादव ने तहसीलदार कर्वी को लिखे पत्र में निर्माण कार्य रुकवाने की मांग की थी। बताया कि एडीएम व एसडीएम सदर न्यायालय में मामला विचाराधीन है। गाटा संख्या 1369, 1370, 1371, 1372 विवादित भूमि है। प्रधान ने वाद दाखिल किया था। इन नंबरों पर नाले की भूमि है। तीन-चार गांवों का पानी नालों से निकलता है। नाले की जमीन पर जगमोहन पुत्र भोंदू व तीन-चार अन्य लोग अवैध ढंग से निर्माण कराकर नाले को रोक रहे हैं। नाले की भूमि पर निर्माण हुआ तो बाढ़ आने पर गम्भीर दशा का सामना करना पडेगा। नाले का पानी लोगों के घरों में घुसेगा। इससे हालात विकराल होंगे। शिकायत को संज्ञान में लेते हुए सदर तहसीलदार ने राजस्व निरीक्षक/लेखपाल को सार्वजनिक भूमि पर हो रहे निर्माण कार्य की जांचकर निर्माण कार्य रोकने के निर्देश दिए हैं।

गैंगेस्टर समेत चार वांछित दबोचे

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान में पुलिस ने चार वांछितों को दबोचा है।

बुधवार को प्रभारी निरीक्षक सरधुवा आशुतोष तिवारी, दरोगा चन्द्रमणि पाण्डेय, दरोगा यूटी शिवम कनौजिया, सिपाही शक्ति सिंह व राहुल पुरी ने गैंगेस्टर एक्ट के वांछित अनूप सविता उर्फ अनूप कुमार पुत्र चुनवाद निवासी औगासी रोड कृष्णानगर बबेरू जिला बांदा को गिरफ्तार किया। इसी क्रम में सरधुवा थाने के दरोगा राजेश कुमार राय ने सिपाही अतुल मिश्रा के साथ गाली-गलौज, छेडछाड व पॉक्सो एक्ट वांछित अमित तिवारी पुत्र नकुल तिवारी बरद्वारा को गिरफ्तार किया। राजापुर थाने के दरोगा इमरान खान, दरोगा केडी मिश्रा, सिपाही चन्दन विश्वकर्मा, उज्जवल पाण्डेय ने जालसाली के वांछित प्रेमसागर गुजराल पुत्र स्व श्रीराम गुजराल निवासी 4बी/36 हिल्क नगर थाना तिलकनगर दिल्ली को गिरफ्तार किया। राजापुर थाने के दरोगा यूटी अंकित सिंह ने सिपाही प्रकाश मिश्रा के साथ छेडछाड, दुष्कर्म व जान से मारने की धमकी तथा पॉक्सो एक्ट वांछित दुर्गा प्रसाद निषाद पुत्र गौडिया निषाद सगवारा को गिरफ्तार किया।

दलित युवती से दबंग ने की अश्लील हरकत, मारपीट कर किया घायल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कोतवाली कर्वी के लोढवारा गांव की ननकी देवी पत्नी स्व रामरतन चमार ने कर्वी कोतवाल को दी तहरीर में कहा कि 19 जून को शाम छह बजे उसकी पुत्री हैण्डपम्प से पानी लेने जा रही थी। पडोसी राजेश यादव पुत्र भगवानदीन ने अश्लील हरकतें की हैं।

बुधवार को पीडिता ने कर्वी कोतवाल को दी तहरीर में कहा कि उसकी सयानी बेटी के पानी भरने दौरान पडोसी राजेश यादव ने अश्लील हरकत की। विरोध पर गाली-गलौज कर जान से मारने व जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। 112 नम्बर पुलिस बुलाने पर राजेश व लवलेश भाग गये। पुलिस ने घर का दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया। अश्लील हरकतें दौरान राजेश व लवलेश ने पुत्री को घायल भी कर दिया है। गम्भीर दशा में पुलिस ने अस्पताल में भी भर्ती नहीं कराया। पीडिता ने रिपोर्ट दर्जकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

लायर्स यूनियन ने नये कानूनों का जताया विरोध

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। आल इंडिया लायर्स यूनियन के राज्य कार्यकारिणी सदस्य का रुद्र प्रसाद मिश्र एड की अगुवाई में अधिवक्ताओं ने जुलूस की शक्ल में जिला कचहरी से तहसील मुख्यालय पहुंचे। यहां एसडीएम सदर को सौंपे ज्ञापन में एक जुलाई से लागू होने वाले तीनों कानूनों का विरोध जताया है। आल इंडिया लायर्स यूनियन के राज्य कार्यकारिणी सदस्य का रुद्र प्रसाद मिश्र एड की अगुवाई में एक जुलाई से लागू होने वाले तीनों कानूनों के खिलाफ एसडीएम सदर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा कि नये कानूनों में कई अपराध के लिए अधिकार क्षेत्र वाली अदालतों व दंडों में काफी बदलाव हैं। नये कानून के तहत मेट्रो पोलिटन मजिस्टेट्रट को समाप्त कर दिया है। दुर्भाग्य से अभी तक आवश्यक अधिकार क्षेत्र वाली अदालतें नहीं बनाई गईं। नये कानून में सभी अपराधों के लिए बिना दिशा-निर्देश के इलेक्ट्रानिक ट्रायल की अनुमति है। पर्याप्त बुनियादी ढांचा विकसित नहीं किया। न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता व पैरालीगल अधिकारी को प्रशिक्षित नहीं किया। पुलिस/जांच एजेंसी, न्यायिक अधिकारी मौजूदा कानूनों को अचानक बदलकर नये कानून अपनाने को तैयार नहीं हैं। एक सदी से चले आ रहे कानूनों को समाप्त करना उचित नहीं है। जांच दौरान कम्प्यूटर/डिवाइस जब्त करने से पहले इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों से छेडछाड/हेरफेर के खिलाफ कोई सुरक्षा नहीं है। इस बाबत विरोध जताया। इस मौके पर अधिवक्ता अमित यादव, आनंद कुमार मिश्र, शिवशंकर कुशवाहा, विनोद पाल, शशिभूषण पाल, अजय सिंह, रामशंकर मिश्र आदि मौजूद रहे।

नियम-कानून ताक पर रख भीठे को काट बना रहे रास्ता

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कर्वी ब्लाक के लोढवारा गांव में सरकारी तालाब के भीठे को काटकर फार्म हाउस जाने को नगर पालिका अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता रास्ता बनवा रहे हैं। सरकारी निर्देशों की जिम्मेदार अनदेखी कर रहे हैं।

बुधवार को तालाब के भीठे को काटकर रास्ता बनाने का खुलासा हुआ। बताया गया कि तालाब के भीठे के नीचे से रास्ता है। तालाब के भीठे को जेसीबी से काटकर रास्ता बनाया जा रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष निजी लाभ को ये रास्ता बना रहे हैं। नगर पालिका अध्यक्ष फार्म हाउस

तालाब भीठा काटकर बनाया जा रहा रास्ता।

तक जाने को रास्ते का निर्माण कार्य नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। नगर पालिका क्षेत्र से थोडी दूर होने के बाद नगर पालिका अध्यक्ष को निजी लाभ पहुंचाने को रास्ता बनाया जा रहा है। सरकारी तालाब भीठे को जेसीबी मशीन से काटकर रास्ता बनाने में प्रधान दोषी है या कोई और? प्रधान ने कहा कि ये रास्ता वह नहीं बनवा रहा। इस बारे में नगर पालिका अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता से बात करने के प्रयास किये। उन्होंने फोन नहीं उठाया।

पांच सौ ग्राम गांजा समेत एक दबोचा

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में प्रभारी निरीक्षक पहाड़ी श्रीमती रीता सिंह की अगुवाई में वरिष्ठ दरोगा मनीष कुमार की टीम ने रितिक यादव उर्फ राजेन्द्र पुत्र अभिलाखन यादव गुरौली सपहाई थाना बबेरू जिला बांदा के कब्जे से पांच सौ ग्राम गांजा समेत गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। टीम में दरोगा मनीष कुमार, दरोगा यूटी किशन कुमार, सिपाही आनन्द प्रताप सिंह व जय प्रकाश शामिल रहे।

मॉनसून की पहली बारिश में ही नेपाल के कई जिले जलमग्न

काठमांडू। नेपाल में मॉनसून प्रवेश करने के साथ हुई बारिश के बाद देश के कई जिले जलमग्न हो गये हैं। पिछले चौबीस घंटे से लगातार हो रही बारिश में आधा दर्जन से अधिक जिलों में जलजमाव के कारण आम लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। नेपाल में मॉनसून प्रवेश करने के साथ ही देश के पूर्वी और मध्य क्षेत्र में लगातार बारिश होने से पूह्व के मोरंग, सुनसरी और झापा के अधिकांश जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कई गांव पूरी तरह से जलमग्न हैं तो शहरी इलाकों के निचली हिस्से भी जलमग्न हो गए हैं। इसी तरह से पश्चिम के रूपन्देही और कपिलवस्तु जिलों में भी बारिश के कारण जल जमाव देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग ने बताया है कि नेपाल के इन इलाकों में 95 मिलीमीटर से लेकर 150 मिलीमीटर तक बारिश हुई है। विभाग की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक झापा जिले में 154 मिलीमीटर बारिश हुई है जबकि कास्की में 148 मिलीमीटर बारिश हुई है। नेपाल के मौसम विभाग ने आज दिनभर देश के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है। विभाग की तरफ से कई जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने बताया है कि आने वाले 24 घंटों में नेपाल के कोशी, गण्डकी, नारायणी, बागमती नदी का जलस्तर काफी बढ़ने वाला है। इस कारण से तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थान पर रहने को कहा गया है। भारी बारिश के कारण कई मैदानी इलाकों में बाढ़ की स्थिति है तो पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन से कई लोगों के मौत की भी सूचना है। विराटनगर में 500 से अधिक मकानों में पानी भर गया है। कास्की, चितवन में भी शहरी इलाकों में पानी भरने के कारण बाढ़ से लोग परेशान हो गए हैं जबकि लमजुंग और चितवन में भूस्खलन से कम से कम 6 लोगों के मौत की सूचना है। इनमें से चार का शव निकाला जा चुका है और बाकी दो शवों को ढूंढने का प्रयास जारी है।

पाकिस्तान में आतंकवादी संगठन टीटीपी के दो कमांडर गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के दो कुख्यात कमांडरों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आतंकवादियों की गिरफ्तारी संघीय कैबिनेट के ऑपरेशन आज्म-ए-इस्तेहकम को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद हुई हैं। प्रांत के गृहमंत्री मीर जियाउल्लाह लैंगोव ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान में जारी आतंकवादी गतिविधियों में पड़ोसी मुल्क भारत का हाथ है। प्रांत के गृहमंत्री मीर जियाउल्लाह लैंगोव ने बुधवार को क्वेटा में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के दो कुख्यात कमांडरों नसरुल्ला उर्फ मौलवी मंसूर और इदरीस उर्फ इरशाद को गिरफ्तार किये जाने की घोषणा की।
बलूचिस्तान के गृहमंत्री लैंगोव ने कहा कि आतंकवादी नसरुल्ला और इदरीस को मुश्किल अभियान के बाद गिरफ्तार किया जा सका। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) भारत के हाथों खेल रहे हैं। दोनों पड़ोसी मुल्क के इशारे पर पाकिस्तान में आतंकवादी हमले करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

केन्या में हिंसक प्रदर्शन, भारत ने अपने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

नैरोबी (केन्या)। केन्या में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच भारत ने अपने नागरिकों को अफ्रीकी देश में मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति के मद्देनजर अत्यंत सावधानी बरतने की सलाह दी है। केन्या में स्थित भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को एक्स पर एक एडवाइजरी पोस्ट में कहा कि मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए केन्या में सभी भारतीयों को अत्यधिक सावधानी बरतने, अनावश्यक आवाजाही को प्रतिबंधित करने और स्थिति साफ होने तक विरोध और हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों से बचने की सलाह दी जाती है।भारतीय उच्चायोग ने कहा कि केन्या में रहने वाले भारतीय नागरिकों को अपडेट के लिए स्थानीय समाचार और मिशन की वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल का पालन करना चाहिए। भारत सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उल्लेखनीय है कि केन्या में टैक्स का बोझ बढ़ाए जाने से गुस्साए लोग मंगलवार को संसद परिसर में घुस गए और संसद भवन के एक हिस्से में आग लगा दी। नैरोबी में प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस से झड़प में 10 लोगों की मौत हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की सौतेली बहन और केन्याई एक्टिविस्ट औमा ओबामा भी उन प्रदर्शनकारियों में शामिल थीं, जिन पर मंगलवार को नैरोबी में संसद भवन के बाहर प्रदर्शन के दौरान आंसू गैस छोड़ी गई। दरअसल, वहां की संसद में सांसदों ने हाल ही में एक विवादास्पद विधेयक पारित किया था जिसके तहत नए कर लगाए जाएंगे।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर पर निराधार बयानों के लिए पाकिस्तान की आलोचना की

संयुक्त राष्ट्रः भारत ने पाकिस्तान की निराधार और कपटपूर्ण बातों की आलोचना की है, क्योंकि इस्लामाबाद के दूत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का उल्लेख किया था. संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन मंत्री प्रतीक माथुर ने मंगलवार को कहा, 'इससे पहले दिन में एक प्रतिनिधिमंडल ने इस मंच का दुरुपयोग कर निराधार और भ्रामक बातें फैलाईं, जो आश्चर्य की बात नहीं है.' उन्होंने कहा, 'मैं इन टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दूंगा, सिर्फ इस प्रतिष्ठित संस्था का बहुमूल्य समय बचाने के लिए ऐसा करूंगा.' माथुर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की वार्षिक रिपोर्ट पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की बहस में भारत की ओर से बयान दे रहे थे।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

केन्या में विरोध प्रदर्शनों के बाद पुलिस की मौजूदगी में मलबा हटाने का काम शुरू, अब तक 6 लोगों की मौत

नैरोबी: केन्या में विरोध प्रदर्शनों के बीच मलबा हटाने का काम शुरू हो गया है. बता दें कि एक दिन पहले ही विवादास्पद कर योजना को लेकर हिंसक प्रदर्शनों के बीच प्रदर्शनकारियों द्वारा संसद पर धावा बोलने के बाद की घटना में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई थी. हालांकि आज दिन की शुरू में हिंसा की कोई सूचना नहीं है. हालात को देखते हुए पुलिस और सैनिक सड़कों पर गश्त कर रहे थे, जबकि शहर के कर्मचारी मलबा साफ करने के काम में जुटे हुए थे. दूसरी घटना के बाद संसद, सिटी हॉल और सुप्रीम कोर्ट को टेप लगाकर घेर दिया गया है.
वहीं राष्ट्रपति विलियम रुटो ने इस घटना को देशद्रोह बताते हुए कहा है कि किसी भी कीमत पर अशांत को खत्म नहीं होने दिया जाएगा. राष्ट्रपति के बयान के बाद से पुलिस की सहायता के लिए सेना को तैनात कर दिया गया.
गौरतलब है कि केन्या में एक प्रस्तावित वित्त विधेयक के विरोध में एक सप्ताह से अधिक समय से बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं. विधेयक करों में वृद्धि करेगा. कई युवाओं ने राष्ट्रपति को सत्ता में आने में इसलिए मदद की थी, क्यों कि उन्होंने आर्थिक राहत किए जाने का वाद किया था. लेकिन अब युवा वर्ग करों में इजाफा किए जाने को लेकर सड़कों पर उतर आया है.
केन्या की संसद में मंगलवार को हजारों प्रदर्शनकारियों ने संसद पर हमला कर दिया था और इमारत के कुछ हिस्सों को जला दिया था. इस दौरान सांसद भाग गए थे. वहीं पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गोलियां चलाईं थीं जिससे कई प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई. शहर के शवगृह ने एपी को बताया कि मंगलवार को पुलिस से उन्हें छह शव मिले. अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने राजधानी नैरोबी के पूर्व में गिथुराई उपनगर में प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए 700 से अधिक गोलियां चलाईं. वहीं रात में हवा में गोलियों की आवाज के वीडियो ऑनलाइन शेयर किए गए. नागरिक संगठनों के कई समूहों का कहना है कि मंगलवार को विरोध प्रदर्शन में 100 से अधिक लोग घायल हो गए हैं. हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया है.

अमेरिका: लास वेगास में गोलीबारी में पांच लोगों की मौत, संदिग्ध ने आत्महत्या की

लास वेगासः अमेरिका के उत्तरी लास वेगास में सोमवार रात (स्थानीय समयानुसार) हुई गोलीबारी की घटना में 5 लोगों की मौत हो गई जबकि एक किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई. बताया जा रहा है कि हमलावर ने पकड़े जाने से कुछ देर पहले गोली मारकर खुदकुशी कर ली. हमलावर ने वारदात को अंजाम क्यों दिया इसका पता नहीं चल सका है.
नॉर्थ लास वेगास पुलिस विभाग ने एक समाचार विज्ञप्ति में कहा, '47 वर्षीय एरिक एडम्स की पहचान पुलिस ने सोमवार रात को हुई दो गोलीबारी में एक संदिग्ध के रूप में की थी।
पांच लोगों की मौत के साथ ही एक 13 वर्षीय लड़की को भी गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया. क्योंकि उसे दो अपार्टमेंट परिसरों में गोलीबारी के दौरान गोली लग गई थी.
पुलिस को सोमवार रात कासा नोर्टे ड्राइव स्थित एक अपार्टमेंट परिसर में गोलीबारी की खबर मिली. घटनास्थल पर पहुंचने के बाद पुलिस ने दो वयस्क महिलाओं को देखा - एक की उम्र 40 वर्ष तथा दूसरी की उम्र 50 वर्ष के आसपास थी. दोनों गोली लगने से घायल थीं. पुलिस के अनुसार बाद में चिकित्साकर्मियों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.' बाद में पुलिस ने तीसरी पीड़िता, 13 वर्षीय लड़की को भी ढूंढ निकाला, जिसे भी गोली लगी थी. सीएनएन ने पुलिस के हवाले से बताया कि सोमवार रात तक वह यूएमसी ट्रॉमा सेंटर में गंभीर हालत में थी. पुलिस ने बताया, 'निकटवर्ती अपार्टमेंट परिसर में गोली लगने से घायल तीन अन्य लोग भी मिले. इनमें दो महिलाएं और एक युवक शामिल था. इन सभी की उम्र 20 वर्ष के आसपास थी. तीनों को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने इसके बाद एडम्स को संदिग्ध के रूप में पहचाना और रात भर उसकी तलाश की. पुलिस ने मंगलवार सुबह तक एडम्स की तलाश की, जब उन्हें सूचना मिली कि वह ईस्ट लेक मीड बुलेवार्ड पर एक स्थानीय व्यवसायिक प्रतिष्ठान में मौजूद है. जब पुलिस उस क्षेत्र में पहुंची तो एडम्स पास के एक घर के पीछे के भाग में भाग गया।

5 साल बाद जेल से रिहा हुए जूलियन असांजे, स्वीकारी जासूसी की बात

लंदनः विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे (52) ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन के साथ एक समझौता करने पर सहमति व्यक्त की है. यह उनके लिए अमेरिका में कारावास से बचने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है. हाल ही में दायर संघीय अदालत के दस्तावेजों से इसका खुलासा हुआ है.
विकीलीक्स के संस्थापक ने कथित तौर पर अमेरिकी सरकार की गोपनीय सामग्री के सबसे बड़े उल्लंघनों में से एक में अपनी कथित संलिप्तता से जुड़े एक आपराधिक आरोप में दोषी होने की दलील देने के लिए सहमति दे दी है. यदि यह समझौता संघीय न्यायाधीश द्वारा अनुमोदित हो जाता है, तो असांजे को 62 महीने की सजा मिलेगी.
यह अमेरिका में प्रत्यर्पण के खिलाफ मुकदमा लड़ने के दौरान लंदन की उच्च सुरक्षा वाली बेलमार्श जेल में पहले ही काटी गई अवधि के बराबर है. याचिका समझौते में उनकी सजा काट ली गई अवधि को शामिल करना शामिल है, जिससे असांजे को संभवतः तुरंत अपने देश ऑस्ट्रेलिया लौटने की अनुमति मिल जाएगी. विकीलीक्स ने बेलमार्श से असांजे की रिहाई की पुष्टि की.
इसने मंगलवार को घोषणा की कि उन्हें लंदन के उच्च न्यायालय द्वारा जमानत दे दी गई और इसके बाद वे स्टैनस्टेड हवाई अड्डे से रवाना हो गए. सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार संगठन द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में असांजे को ब्रिटेन छोड़ने के बाद विमान में चढ़ते हुए दिखाया गया है. उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह स्थित अमेरिकी जिला न्यायालय के अनुसार याचिका पर सुनवाई और सजा बुधवार सुबह निर्धारित की गई है.
अभियोजकों ने अदालत को बताया कि असांजे ने अपनी दोष स्वीकारोक्ति के लिए अमेरिका में कदम नहीं रखना चाहा, इसलिए उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के निकट स्थान का चयन किया, जहां वे अदालती कार्यवाही के बाद वापस लौटने का इरादा रखते हैं. न्याय विभाग के अभियोजकों को उम्मीद है कि असांजे अपने ऊपर लगे आरोपों को स्वीकार कर लेंगे और उन्हें उसके हिसाब सजा दी जाएगी.
असांजे को अमेरिकी अधिकारियों द्वारा 2010 और 2011 के बीच चेल्सी मैनिंग द्वारा लीक किए गए गोपनीय सैन्य रिकॉर्ड को प्रकाशित करने के लिए समन किया गया था. उन्हें उल्लंघन से संबंधित 2019 के अभियोग में 18 मामलों का सामना करना पड़ा. इसमें अधिकतम 175 साल तक की जेल की सजा हो सकती थी, हालांकि यह संभावना नहीं थी कि उन्हें पूरी अवधि तक के लिए सजा मिलेगी.
सीएनएन के अनुसार अमेरिकी अधिकारियों ने आरोप लगाया कि असांजे ने मैनिंग को बड़ी मात्रा में अनफिल्टर्ड अमेरिकी राजनयिक केबल प्राप्त करने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया था, जिससे गोपनीय स्रोतों के साथ-साथ इराक युद्ध से संबंधित महत्वपूर्ण रिपोर्ट और ग्वांतानामो बे बंदियों की जानकारी को भी खतरा हो सकता था.
राष्ट्रपति बाइडेन ने असांजे की ऑस्ट्रेलिया वापसी को सुगम बनाने के लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकारी अधिकारियों द्वारा समर्थित एक संभावित समझौते का संकेत दिया था. हालांकि, मामले से परिचित सूत्रों के अनुसार, एफबीआई और न्याय विभाग के अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी समझौते में असांजे द्वारा अपराध स्वीकार करना शामिल होना चाहिए.
पिछले महीने ब्रिटेन की एक अदालत ने असांजे के पक्ष में फैसला सुनाया था, जिसमें उन्हें अमेरिका में प्रत्यर्पण के खिलाफ अंतिम अपील करने का अधिकार दिया गया था. यह निर्णय असांजे के लिए एक महत्वपूर्ण जीत थी, क्योंकि उन्होंने अपने विरुद्ध लगाए गए आरोपों के लिए अमेरिका में अभियोजन से बचने के लिए कई वर्षों तक कानूनी लड़ाई लड़ी थी।

राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण अध्यक्ष अजय भूषण ने सीतारमण से की मुलाकात

पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची में रहस्यमय मौतों से हड़कंप, जांच का आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची में रहस्यमय मौतों से हड़कंप मचा हुआ है। सिंध प्रांत के आंतरिक मंत्री जिया-उल-हसन लंजर ने राजधानी कराची में कहा कि रहस्यमय मौतों के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच का आदेश दिया गया है। समाचार चैनल एआरवाई न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में इस पर विस्तार से चर्चा की है।
आंतरिक मंत्री जिया-उल-हसन लंजर ने इन मौतों पर अफसोस व्यक्त करते हुए कहा है कि अगर जांच में लंबे समय तक लोड शेडिंग को इन मौतों का मुख्य कारण बताया गया तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दायर किया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि समूचे कराची में लगातार तीसरे दिन शव सामने आते रहे। शहर के विभिन्न इलाकों में तीन और शव मिले। अधिकारियों के अनुसार, शव मंघोपीर, ओरंगी टाउन और गुलशन-ए-मयमार इलाके में फुटपाथ पर पाए गए। 50 वर्षीय मुनव्वर का शव ओरंगी नंबर 12 में पाया गया। इस बीच, गुलशन-ए में 50 वर्षीय व्यक्ति और मयमार क्षेत्र में मंघोपीर नहर के पास एक 35 वर्षीय व्यक्ति का शव प्राप्त हुआ।
पाकिस्तान के समाचार पत्र डान के अनुसार, कराची में दूसरे दिन मंगलवार को भी 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर तापमान रहा। सोमवार को कम से कम 10 लोगों के शव शहर के विभिन्न अस्पतालों में लाए गए। पिछले दो दिनों में यह आंकड़ा 20 हो गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि शवों पर चोट के कोई निशान नहीं हैं। अधिकांश शव लंबे समय से नशे के आदी लोगों के बताए गए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, जाहिर तौर पर शहर में इन दिनों पड़ रही अत्यधिक गर्मी के कारण इनकी जान चली गई।

नेपाल में प्रतिबंधित बिट क्वाइन से 6 करोड़ से अधिक का कारोबार, भारतीय नागरिक गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल में प्रतिबंधित क्रिप्टो करेंसी बिट क्वाइन से 6 करोड़ से अधिक का कारोबार करने वाले एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस एसपी नवराज अधिकारी ने बताया कि नेपाल पुलिस के विशेष ब्यूरो की टीम ने गोपनीय सूचना के आधार पर छापा मार कर बिट क्वीन के कारोबारी भारतीय नागरिक बिहार के पूर्वी चम्पारण जिला निवासी 38 वर्षीय निरंजन कुमार को गिरफ्तार किया है। वह काठमांडू के ब्रह्मचौक में प्रतीक इंटरप्राइजेज नाम से एक दफ्तर खोल कर बिट क्वाइन का कारोबार कर रहा था। ब्यूरो के एसपी अधिकारी ने बताया कि छापेमारी के दौरान उसके पास से 20 लाख रुपये नकद बरामद किये गए हैं। उन्होंने बताया कि बरामद दस्तावेज से यह भी पता लगा है कि इस दफ्तर से प्रतिबंधित क्रिप्टो करेंसी के जरिए 6 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया गया है।

अमेरिका-मालदीव ने जलवायु, आर्थिक विकास, समुद्री सुरक्षा पर वार्ता को आगे बढ़ाया

वाशिंगटनः अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने वाशिंगटन डीसी में मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर के साथ बैठक की. इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच जलवायु, आर्थिक विकास और समुद्री सुरक्षा पर साझेदारी और सहयोग को बढ़ाना था. मालदीव के विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'चर्चा मालदीव और अमेरिका के बीच बढ़ते संबंधों पर केंद्रित थी. इसमें रक्षा और सुरक्षा सहयोग, लोकतंत्र को बढ़ावा देना और मजबूत करना, आर्थिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होना शामिल था.
एक्स पर एक पोस्ट में ब्लिंकन ने अमेरिकी विदेश विभाग में अपनी बैठक से पहले मूसा जमीर के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की और कहा, 'जलवायु, आर्थिक विकास और समुद्री सुरक्षा पर अमेरिका-मालदीव साझेदारी और सहयोग बढ़ाने के लिए मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर से मुलाकात की.' बैठक के बाद मालदीव के विदेश मंत्री ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि वह ब्लिंकन से मिलकर प्रसन्न हैं. उन्होंने कहा, 'अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी बढ़ाने के लिए मालदीव की प्रतिबद्धता की पुष्टि की.' मूसा जमीर ने कहा, 'मुझे आज अमेरिका के माननीय विदेश मंत्री से मिलकर बहुत खुशी हुई. उन्होंने कहा, 'मैंने जलवायु परिवर्तन से निपटने, लोकतंत्र को बढ़ावा देने और समुद्री सुरक्षा में सहयोग के लिए मालदीव और अमेरिका के बीच साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की.' दोनों ने साझेदारी को मजबूत करने के लिए नए रास्ते तलाशने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की. नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने के महत्व को स्वीकार किया और क्षेत्रीय स्थिरता, समुद्री सुरक्षा और शांति को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की.
इसके अलावा, ब्लिंकन ने मालदीव को सफल राष्ट्रपति और संसदीय चुनावों के लिए बधाई दी और जलवायु परिवर्तन से निपटने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मालदीव के नेतृत्व की सराहना की. आधिकारिक बयान में कहा गया है कि बैठक के दौरान मंत्री जमीर ने अमेरिका द्वारा प्रदान किए गए शैक्षिक अवसरों के महत्व को स्वीकार किया और कहा कि मालदीव के लोगों के लिए आसान वीजा सुविधा सेवाएं लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देंगी. इससे दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा.